दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-184 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) रविवार 30 अगस्त 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

बापू की बातें

मेरी अहिंसा किसी ऐसे तंदुरुस्त आदमी को मुफ्त खाना देने का विचार बरदाश्त नहीं करेगी, जिसने उसके लिए कोई ठीक ढंग का काम न किया हो। और मेरा वश चले तो जिन सदाव्रतों में मुफ्त भोजन मिलता है, वे सब सदाव्रत मैं बंद कर दूँ। इससे राष्ट्र का पतन हुआ है और सुस्ती, बेकारी, ढोंग, बल्कि अपराधों को भी प्रोत्साहन मिला है। इस प्रकार का अनुचित दान देश को न कोई भौतिक लाभ पहुँचाता है और न आध्यात्मिक लाभ ही।

(13.08.1925 : यंग इंडिया में प्रकाशित टिप्पणियों का अंश : सं.गां.वां. खंड 28 : पृष्ठ 63)

नेपाल बाढ़ से मरने वालों की संख्या 600 से ज्यादा हुई, चीन ने फिर जारी किया 'तबाही का अलर्ट'

काठमाण्डू, (आरएनएस)। नेपाल में आई बाढ़ में मृतकों की संख्या बढ़कर 626 हो गई है, वहीं 2000 से ज्यादा लोग लापता हैं। इस बीच चीनी सरकारी मीडिया के अनुसार, तिब्बत में भूस्खलन के मलबे से बनी झील में पानी का स्तर फिर से बढ़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दोबारा कीचड़ या ज़मीन खिसकने (लैंडस्लाइड) का खतरा बना हुआ है। नेपाल और तिब्बत के बीच मुख्य ज़मीनी सीमा, ग्यारोंग पोर्ट के आस-पास बचाव कार्यों की जिम्मेदारी संभालने वाली टीम ने ढलानों पर नज़र रखने और आस-पास काम कर रहे बचाव कर्मियों को समय रहते चेतावनी देने के लिए ड्रोन तैनात किए हैं और निगरानी चौकियां बनाई हैं।

मृतकों की संख्या में उतार-चढ़ाव

बीबीसी की खबर के मुताबिक स्थानीय पुलिस ने जो जानकारी दी है उसमें नेपाल में मरने वालों की संख्या बढ़कर 626 हो गई है। यह संख्या पिछली बार बताई गई 579 मौतों के मुकाबले काफ़ी ज़्यादा है, और अभी भी लगभग 2,000 लोग लापता हैं। वहीं सुबह 10 बजे से पहले दिए गए अपडेट के मुताबिक ने नेपाल पुलिस का कहना है कि नेपाल में मरने वालों की असल संख्या 616 है, न कि 626 जैसा कि पहले बताया गया था। चीन के सरकारी मीडिया ने पहले तिब्बत में सात लोगों की मौत की पुष्टि की थी। अगर इन आंकड़ों में कोई दोहराव नहीं है, तो मरने वालों की कुल संख्या कम से

कम 623 हो जाएगी।

झील का बदल रहा रंग, चीन ने दी चेतावनी

चीन ने एक बार फिर नेपाल को चेतावनी दी है कि ल्हेन्डे नदी सिस्टम के ऊपरी इलाकों में बनी झील कभी भी अपने किनारों को तोड़ सकती है; पानी का रंग बदलना बढ़ते खतरे का संकेत हो सकता है। हालांकि, बीजिंग ने कहा है कि अगर झील टूटती भी है, तो नदी में पानी का बहाव ज़्यादा से ज़्यादा 500 क्यूबिक मीटर प्रति सेकंड ही होगा। नेपाल को भेजे गए संदेश में चीन ने कहा कि उस झील का रंग लगातार गहरा होता जा रहा है, जो इस हफ़्ते की शुरुआत में नेपाल और तिब्बत के कुछ हिस्सों में आए भयानक अचानक बाढ़ के बाद बनी थी, इससे संकेत मिलता है कि झील कभी भी फट सकती है।चीन से भेजे संदेश में कहा गया, परसों बनी झील का रंग लगातार गहरा होता जा रहा है। इसका मतलब है कि यह फट सकती है। इसमें यह भी कहा गया कि चूँकि पानी की मात्रा बहुत ज़्यादा नहीं है, इसलिए निचले इलाकों की नदियों में पानी का बहाव थोड़ा बढ़ सकता है, लेकिन इसमें बहुत ज़्यादा बढ़ोतरी की संभावना नहीं है।

उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने ताशकंद पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया।

नेपाल की बाढ़ का खौफनाक असर, गंडक नदी में बहकर आ रहे इंसानी और जानवरों के शव; बिहार में दहशत

वैशाली, (आरएनएस)। नेपाल में आई भीषण बाढ़ का भयावह असर अब बिहार में भी दिखाई देने लगा है। नेपाल से तेज प्रवाह के साथ गंडक नदी में बड़ी मात्रा में लकड़ियां, मलबा, जानवरों के शव और इंसानी शव बहकर भारतीय क्षेत्र तक आने की बात सामने आई है। हाजीपुर के कालीघाट पर नदी का यह खौफनाक मंजर देखकर स्थानीय लोग और नाविक दहशत में हैं। हाजीपुर के कालीघाट पर मौजूद पूर्व वार्ड पार्षद और धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य दिनेश सहनी ने बताया कि नदी में बड़ी संख्या में शव बहकर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि शवों की संख्या का अनुमान लगाना मुश्किल है और यह दृश्य बेहद भयावह है। लोगों के अनुसार, करीब 50 लोग गंडक नदी के कालीघाट पर बहकर आई लकड़ियों को छानने के लिए नदी में उतरे थे। इसी दौरान उन्होंने देखा कि लकड़ियों और मलबे के साथ जानवरों तथा इंसानों के शव भी बहकर आ रहे हैं। लकड़ी छानने वाले विकास सहनी ने बताया कि सुबह करीब 9 बजे के बाद नदी में जानवरों और इंसानों के शव दिखाई देने लगे। उन्होंने कहा कि कितने शव नदी में बहकर आए, इसकी सटीक संख्या का पता नहीं है, लेकिन बड़ी संख्या में शव देखे गए हैं।

लाल किला कार विस्फोट मामले में एनआईए की आरोपपत्र पर अदालत ने लिया संज्ञान, 13 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई का रास्ता साफ

-9 सितंबर को अगली सुनवाई

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दिल्ली के लाल किले के पास हुए कार विस्फोट मामले में जांच अब न्यायिक प्रक्रिया के अगले चरण में पहुंच गई है। विशेष राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) अदालत ने मामले में एनआईए की ओर से दाखिल आरोपपत्र पर संज्ञान लिया है। अदालत के इस कदम के बाद आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है। मामले की अगली सुनवाई 9 सितंबर को होगी। एनआईए ने अपनी जांच के आधार पर कुल 13 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। इसमें उमर-उन-नबी, आमिर राशिद अली, जासिर बिलाल वानी, मुजम्मिल, आदिल अहमद राथर, मुफ्ती इरफान अहमद, शाहीन, सोयाब, बिलाल और यासिर अहमद डार समेत अन्य आरोपियों के नाम शामिल हैं।जांच एजेंसी ने कहा है कि जांच के दौरान सामने आए तथ्यों और जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की कथित भूमिकाओं का उल्लेख आरोपपत्र में किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कोरका बोन्दारी क्षेत्र में वाहन रुकवाकर किया बच्चों और महिलाओं से आत्मीय संवाद

ग्राम देवरबेली में पहली बार पहुंचे कोई मुख्यमंत्री राखी भी बंधवाई

बालाघाट (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के किसी भी जिले में किसी बैठक अथवा कार्यक्रम में हिस्सा लेने जाएं वे नागरिकों से संवाद अवश्य करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस क्रम में बालाघाट प्रवास के दौरान शनिवार को नक्सल प्रभावित क्षेत्र रहे कोरका-बोंदारी क्षेत्र में बच्चों और महिलाओं से संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के लिए भी यह दौरा नागरिकों से कई आत्मीय चर्चा और कुछ भावुक पलों का साक्षी बना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बीमारी से प्रभावित परिवारों से मुलाकात करने के बाद लांजी की ओर लौट रहे थे, तब ग्राम देवरबेली में सड़क किनारे खड़ी बहनों और बच्चों को देखकर उन्होंने अपना वाहन रुकवा दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के वाहन के अचानक रुक जाने से ,उनके ग्रामीणों के बीच पहुंच जाने से मौजूद लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। डॉ. यादव ग्रामीणों के बीच पहुंचे और बहनों एवं बच्चों से आत्मीयता के साथ मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। रक्षाबंधन के अवसर पर जनजाति बहुल गांव की बहनों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को राखी बांधी और उन्हें शुभ आशीष दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहनों के स्नेह और आशीर्वाद को आत्मीयता से स्वीकार किया।

समस्याएं भी सुनी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीणों से सहज संवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने गांव और क्षेत्र से जुड़ी अपनी आवश्यकताओं एवं समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत करवाया। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की सभी बातें गंभीरता से सुनीं और आवश्यक कार्यवाही के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

ग्राम में पहली बार पहुंचा कोई मुख्यमंत्री

ग्राम देवरबेली के ग्रामीण इस बात से बेहद प्रसन्न और प्रभावित नजर आए कि उनके क्षेत्र में पहली बार किसी मुख्यमंत्री का आगमन हुआ है। मुख्यमंत्री का अचानक उनके बीच पहुंचना ग्रामीणों के लिए किसी सुखद आश्चर्य से कम नहीं था। विशेषकर बहनों और बच्चों में मुख्यमंत्री से मिलने तथा उन्हें राखी बांधने को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। ग्रामीणों ने कहा कि मुख्यमंत्री का सड़क किनारे रुककर सीधे उनके बीच आना यह दर्शाता है कि सरकार गांवों और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की भावनाओं और समस्याओं को समझने के लिए उनके बीच पहुंच रही है। मुख्यमंत्री के इस आत्मीय व्यवहार ने ग्रामीणों के बीच अपनत्व और विश्वास की भावना को और मजबूत किया।

मानसून की मार से कई राज्य बेहाल, कहीं बाढ़ तो कहीं बारिश की कमी; बिहार समेत कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली(आरएनएस)। इस वर्ष मानसून का असमान रूप देश के कई हिस्सों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। नेपाल, ओडिशा और गुजरात सहित कई क्षेत्रों में अचानक हुई भारी बारिश के कारण बाढ़ की गंभीर स्थिति बनी, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ और आधारभूत ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचा। वहीं, देश के कई अन्य हिस्से अब भी बारिश की कमी से जूझ रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव का असर किसानों, सब्जी विक्रेताओं और आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर भी दिखाई दे रहा है। अधिक बारिश से फसलें खराब होने और फल-सब्जियों के जल्दी खराब होने से किसानों और व्यापारियों को नुकसान हो रहा है। इसका असर बाजार की कीमतों के साथ-साथ आम परिवारों के घरेलू बजट पर भी पड़ रहा है।नेपाल में बाढ़ से हुई तबाही के बाद बिहार के कई जिलों में भारी बारिश को लेकर चेतावनी जारी की गई है। खगड़िया और चंपारण सहित कई इलाकों में बारिश का असर देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, बारिश का दौर 1 सितंबर तक जारी रहने की संभावना है।

राहुल गांधी ने खड़गे के लिए मांगा इंसाफ, बोले- मंच शुद्धिकरण करने वालों पर एफआईआर हो

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की सभा के बाद रामलीला मैदान में किए गए कथित 'शुद्धीकरण' को लेकर भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने इस तरह के धार्मिक अनुष्ठान को छुआछूत की मानसिकता का प्रतीक बताते हुए कहा कि भारतीय संविधान ने छुआछूत को समाप्त कर इसे अपराध बनाया है। उन्होंने प्रधानमंत्री से मामले में हस्तक्षेप करने और प्राथमिकी दर्ज कराने के आदेश देने की मांग की।राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपना पूरा जीवन देश और संविधान के लिए समर्पित किया है। वह हल्द्वानी के रामलीला मैदान में भाषण देने गए थे और उनके कार्यक्रम के बाद वहां शुद्धीकरण किया गया।

नर्मदापुरम में स्कूल बस पलटी, चार छात्र घायल, सोहागपुर में सूकरी-चुरका के बीच मोड़ पर हादसा

नर्मदापुरम,(ए.)। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर क्षेत्र में शनिवार सुबह सीएम राइज संदीपनी स्कूल की बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे में बस में सवार चार छात्र, चालक और महिला कंडक्टर घायल हो गए। सभी घायलों को डायल-112 की मदद से सोहागपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया गया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार घायलों को मामूली चोटें आई हैं।हादसा सुबह करीब 7.30 बजे सूकरी और चुरका गांव के बीच हुआ। जानकारी के मुताबिक स्कूल बस क्रमांक एमपी 04 पीए 2430 विद्यार्थियों को लेने के लिए गांवों की ओर जा रही थी। इसी दौरान सूकरी-चुरका मार्ग पर एक मोड़ के पास बस अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे पलट गई। बस के पलटते ही मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई।

सांदीपनी विद्यालय के अंतिम चरण के निर्माण कार्यों में तेजी लाएं, अलग-अलग टीम लगाकर करें काम : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

हैंडओवर से पहले हर कमी दूर करें, कलेक्टर ने किया सांदीपनी विद्यालय सोहागपुर का निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने शनिवार को सांदीपनि विद्यालय सोहागपुर का निरीक्षण कर विद्यालय भवन में चल रहे निर्माण एवं सुधार कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण कार्य के अंतिम चरण में शेष रहे सभी कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देश दिए कि विद्यालय में बचे हुए सुधारात्मक कार्यों के लिए अलग-अलग टीम तैनात की जाएं, ताकि सभी कार्य समानांतर रूप से तेज गति से पूरे किए जा सकें। उन्होंने कहा कि आवश्यकता के अनुसार किसी कार्य में दो टीमों को भी लगाया जाए, जिससे कार्यों को निर्धारित समय में पूर्ण किया जा सके। उन्होंने प्राचार्य सांदीपनि विद्यालय सोहागपुर को नियमित रूप से निर्माण एवं सुधार कार्यों की मॉनिटरिंग करते हुए उन्हें पूर्णता की ओर ले जाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विद्यालय भवन के विभिन्न कक्षों एवं परिसर का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने अलग-अलग स्थानों पर आवश्यक सुधारात्मक कार्यों की पहचान कर उन्हें शीघ्र पूरा करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने विद्यालय परिसर में साफ-सफाई के लिए अतिरिक्त श्रमिक तैनात करने तथा परिसर के प्रत्येक खंड में बारीकी से सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने कहा कि विद्यालय भवन के हस्तांतरण से पूर्व पानी, बिजली सहित सभी तकनीकी एवं मशीनी व्यवस्थाओं का बारीकी से परीक्षण किया जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने प्राचार्य को निर्देशित किया कि हस्तांतरण से पूर्व पूरे परिसर का भ्रमण कर यह सुनिश्चित करें कि किसी भी स्थान पर बारिश के कारण सीपेज अथवा अन्य समस्या न हो।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने विद्यालय में निर्मित शौचालय एवं बाथरूम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर पानी का उपयोग किया जाएगा, वहां पानी की निकासी एवं सूखने की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि पानी परिसर में न फैले और स्वच्छता बनी रहे। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं को प्राथमिकता देते हुए कहा कि विद्यालय का हस्तांतरण सभी आवश्यक कार्यों की पूर्णता, तकनीकी परीक्षण और साफ-सफाई सुनिश्चित करने के बाद ही किया जाए।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री साई कृष्ण एस. थोटा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विकास की नई रोशनी की ओर बढ़ रहा है बालाघाट : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की घोषणा 225 करोड़ से एक साथ बदलेंगी 100 गांवों की तस्वीर

-मुख्यमंत्री डॉ. यादव पहुंचे बालाघाट जिले के दूरस्थ गांव बोंदारी

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को बालाघाट जिले के दूरस्थ गांव बोंदारी पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व में नक्सल प्रभावित रहे इस बोंदारी गांव में ग्रामवासियों से आत्मीय संवाद किया। मुख्यमंत्री ग्रामीणों के बीच ज़मीन पर बैठे, जनजातीय समाज की समस्याएं सुनीं और उन्हें मौके पर ही हल किया। उन्होंने पशुपालन में बढ़ावा, आवास सुविधा, पोषण आहार के उपयोग की आदत विकसित करने के लिए जन जागृति अभियान, वन विभाग के सहयोग, चिकित्सा, शिक्षा, रोजगार के अवसर बढ़ाने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को ये सभी सुविधाएं ग्रामीणों को मुहैया कराने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि इतिहास में पहली बार कोई मुख्यमंत्री बालाघाट जिले के नक्सल प्रभावित रहे बोंदारी और कोरका गांवों में ग्रामवासियों से मिलने पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और यहां के बैगा समुदाय को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए बालाघाट जिले के 100 गांवों के समग्र विकास के लिए 225 करोड़ रुपये प्रदान करने की घोषणा की। इससे विकास कार्यों के साथ रोजगार, स्वरोजगार और आजीविका सृजन के विभिन्न कार्य किया जा सकेंगे। इससे नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करते हुए ग्रामीणों, युवाओं, महिलाओं और जनजातीय समुदायों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा सकेगा। कार्यक्रम से पहले बालाघाट जिले की लाड़ली बहनों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को राखी भी बांधी और मिठाई खिलाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार का स्पष्ट संकल्प सुरक्षा के साथ विकास और विकास के साथ रोजगार का है। नक्सलवाद के प्रभाव से मुक्त हुए क्षेत्रों में अब सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्व-रोजगार के अवसरों का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 225 करोड़ रुपये की विकास पहल के अंतर्गत पंचायत एवं ग्रामीण विकास, ऊर्जा, शिक्षा, उद्योग, महिला एवं बाल विकास, आयुष, खाद्य, मत्स्य, स्वास्थ्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी, जनजातीय कार्य एवं पर्यटन सहित विभिन्न विभागों के माध्यम से अधोसंरचना विस्तार सहित सामाजिक एवं आर्थिक विकास के सभी कार्य किए जाएंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार का लक्ष्य अब केवल सड़क बनाने का ही नहीं, बल्कि सड़कों को बाजार से, गांव को रोजगार से और युवाओं को अवसरों से जोड़ने का है। बालाघाट जिले में एमएसएमई, ग्रामोद्योग तथा स्थानीय रोजगारपरक उद्योगों को और भी बढ़ावा देकर युवाओं के लिए अपने ही क्षेत्र में रोजगार और स्व-रोजगार के अवसर विकसित किए जाएंगे। कृषि, डेयरी, पशुपालन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण को ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने का माध्यम बनाया जाएगा।

भोपाल का जानलेवा ऐशबाग ओवरब्रिज... 90 डिग्री 'किलर टर्न' सुधारने पर खर्च होंगे 1 करोड़, बनेंगे 2 नए पिलर

भोपाल। राजगढ़ के ब्यावरा में पुल के तीखे मोड़ ने चार यात्रियों की जान ले ली। इस दुर्घटना ने राजधानी के ऐशबाग में बने करीब 90 डिग्री मोड़ वाले पुल को लेकर जताई जा रही आशंकाओं को सच साबित कर दिया है। 18 करोड़ रुपये की लागत से बने इस ब्रिज का 90 डिग्री का जानलेवा मोड़ एक साल बाद भी पूरी तरह नहीं सुधारा जा सका है। हैरानी यह कि इस खतरनाक डिजाइन पर सवाल उठने के बावजूद प्रशासन लंबे समय तक खतरे को झुठलाता रहा। मामला तूल पकड़ने पर सात अभियंताओं को निलंबित किया गया, लेकिन जांच के बाद सभी बहाल भी हो गए। अब हादसे के खतरे को देखते हुए करीब एक करोड़ रुपये खर्च कर मोड़ का डिजाइन सुधारने की कवायद शुरू हुई है। केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआइ) से नए डिजाइन के आधार पर दो नए पिलर बनाए जाएंगे। मोड़ को ज्यादा घुमावदार किया जाएगा और प्रवेश-निकास हिस्से में कैरिजवे चौड़ा होगा। लेकिन बड़ा सवाल अब भी कायम है कि क्या सिर्फ मोड़ का रेडियस बढ़ाने से खतरा पूरी तरह खत्म हो जाएगा?

पहले सस्पेंड, फिर बहाल... जिम्मेदारी किसकी?

ऐशबाग आरओबी की 90 डिग्री डिजाइन की तस्वीरें सामने आने के बाद जून 2025 में पीडब्ल्यूडी के सात इंजीनियरों को निलंबित किया गया था। निर्माण एजेंसी को ब्लैकलिस्ट भी किया गया। मामला हाईकोर्ट पहुंचा तो मैनिट की जांच में निर्माण को स्वीकृत ड्राइंग के मुताबिक पाया गया। यानी सवाल सिर्फ निर्माण में खामी का नहीं, बल्कि उस ड्राइंग को मंजूरी देने वाली व्यवस्था पर भी था।इसके बाद निर्माण एजेंसी की ब्लैकलिस्टिंग निरस्त हो गई और निलंबित सातों इंजीनियर भी बहाल कर दिए गए। सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि डिजाइन ही तकनीकी रूप से खतरनाक था तो जिम्मेदारी तय किसकी हुई? जनता की सुरक्षा से जुड़े इस मामले में कार्रवाई का अंत बहाली पर क्यों हो गया? अब खतरनाक मोड़ को सुरक्षित बनाने के लिए करीब एक करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च किए जाएंगे। नए डिजाइन के तहत वर्तमान करीब 10.5 मीटर के मोड़ के रेडियस में सुधार किया जाएगा। मोड़ के प्रवेश और निकास पर कैरिजवे की चौड़ाई करीब 3 से 3.5 फीट तक बढ़ाई जाएगी।दो नए पिलर भी बनाए जाएंगे। यानी पहले 18 करोड़ रुपये खर्च कर ऐसा ढांचा तैयार हुआ, जिसकी डिजाइन पर सवाल उठे और अब उसी में सुधार के लिए एक करोड़ रुपये और खर्च किए जा रहे हैं। सवाल सीधा है कि तकनीकी गलती का खामियाजा जनता अपनी जेब से क्यों भुगते?

मप्र में चार आईपीएस अधिकारियों को नया जिम्मा, अंशुमन यादव बने एडीजी इंटेलिजेंस, खेल विभाग के डायरेक्टर बने चंचल शेखर

भोपाल, (आरएनएस)। मध्य प्रदेश शासन के गृह विभाग ने शनिवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के चार वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले और अतिरिक्त प्रभार के आदेश जारी किए हैं। 1998 बैच के आईपीएस अंशुमन यादव को नया एडीजी इंटेलिजेंस (गुप्तवार्ता) नियुक्त किया है। वहीं एसएएफ के एडीजी चंचल शेखर को खेल एवं युवक कल्याण विभाग का नया संचालक बनाया गया है। गृह विभाग की सचिव शिल्पा गुप्ता द्वारा राज्यपाल के नाम से आदेश वर्तमान एडीजी इंटेलिजेंस ए साईं मनोहर (1995 बैच) के 31 अगस्त 2026 को होने वाले रिटायरमेंट के ठीक दो दिन पहले जारी किया गया है। जारी आदेश के मुताबिक, अब तक खेल एवं युवक कल्याण विभाग के संचालक की जिम्मेदारी संभाल रहे 1998 बैच के आईपीएस अधिकारी अंशुमन यादव को एडीजी गुप्तवार्ता (इंटेलिजेंस) की कमान सौंपी गई है। इसके साथ ही उन्हें एडीजी साइबर (पुलिस मुख्यालय) भोपाल का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है।

वहीं 1995 बैच के आईपीएस अधिकारी चंचल शेखर को, जो एडीजी (विशेष सशस्त्र बल/एसएएफ) पुलिस मुख्यालय, भोपाल के पद पर तैनात थे, अब खेल एवं युवक कल्याण विभाग का नया संचालक नियुक्त किया गया है।

इसके अलावा 1993 के बैच के आईपीएस अधिकारी अनिल कुमार विशेष पुलिस महानिदेशक (स्पेशल डीजी) महिला सुरक्षा पुलिस मुख्यालय, भोपाल को अपने वर्तमान कार्य के साथ विशेष डीजी, अजाक (अनुसूचित जाति कल्याण) पुलिस मुख्यालय, भोपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वहीं, 1997 बैच के आईपीएस अधिकारी डी. श्रीनिवास वर्मा को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (नारकोटिक्स व एसटीएफ) पुलिस मुख्यालय, भोपाल को अपने वर्तमान कार्य के साथ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (वि.स.बल/विशेष सशस्त्र बल) एवं अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसआईएसएफ) पुलिस मुख्यालय, भोपाल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

मध्यप्रदेश में 6 से 12 वर्ष उम्र के बच्चों के लिए बनेगा हॉकी का फीडर सेंटर

राष्ट्रीय खेल दिवस पर भोपाल में मैत्री हॉकी मैच का आयोजन

भोपाल,(आरएनएस)। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर प्रदेशभर में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं एवं फिटनेस गतिविधियां आयोजित की गई हैं। राजधानी भोपाल स्थित मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में मैत्री हॉकी मैचों का आयोजन किया गया। टीटी नगर स्टेडियम में स्पोर्ट्स साइंस सेमिनार, कराते, बॉलीबाल, वेटलिफ्टिंग, फुटबॉल, जूडो, बॉक्सिंग, कुश्ती सहित पैरेंट्स फन गेम्स हुए। इन आयोजनों में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने शामिल होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मंत्री श्री सारंग ने 6 से 12 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए हॉकी फीडर सेंटर शुरू करने की घोषणा की। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि इस फीडर सेंटर में कम उम्र से ही बच्चों की खेल प्रतिभा को उचित प्रशिक्षण एवं मंच देकर उनका समुचित विकास सुनिश्चित किया जा सकेगा। स्पोर्ट्स साइंस सेमिनार में शामिल होकर मंत्री श्री सारंग ने कहा कि स्क्रीन टाइम घटाएं और एक घंटा खेल मैदान में बिताएं, जिससे युवाओं को शारीरिक, मानसिक सहित समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सके।

सलाखों के पीछे भाइयों की कलाई पर बांधी राखी,आंखों से छलके आंसू, रक्षाबंधन पर भोपाल सेंट्रल जेल में खुली मुलाकात

भोपाल (निप्र)। रक्षाबंधन के पर्व पर भोपाल सेंट्रल जेल में शुक्रवार को भाई-बहन के रिश्ते की ऐसी तस्वीर नजर आई, जिसने हर किसी को भावुक कर दिया। जेल की ऊंची दीवारों और सलाखों के बीच बंद भाइयों से मिलने सुबह से ही बड़ी संख्या में बहनें पहुंचीं। किसी के हाथ में राखी थी तो कोई भाई के लिए मिठाई लेकर पहुंची थी। मुलाकात के दौरान बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाया। कलाई पर राखी बांधी और मिठाई खिलाकर उनकी लंबी उम्र और बेहतर भविष्य की कामना की। रक्षाबंधन के लिए जेल प्रशासन ने विशेष मुलाकात की व्यवस्था की थी। खुली मिलाई के दौरान बहनों को भाइयों से मिलने और राखी बांधने का अवसर दिया गया। जेल के अंदर और बाहर सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए थे। अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। राखी बांधते समय कई बहनों के चेहरे पर भाई से मिलने की खुशी थी, लेकिन सलाखों के पीछे भाई को देखकर दर्द भी साफ नजर आया। कुछ बहनें भाई से मिलकर रो पड़ीं तो कुछ ने खुद को संभालते हुए उन्हें हिम्मत दी। बहनों ने भाइयों से कहा कि वे परेशान न हों और जेल से बाहर आने के बाद अच्छा जीवन जीने का संकल्प लें। एंट्री के बाद परिजनों को जेल परिसर में दाखिल होने दिया। बंदी भाइयों को राखी बांधने पहुंचीं ममता और सलोनी ने कहा कि रक्षाबंधन पर भाई से मिलकर बहुत खुशी हुई।

भोपाल की निर्माणाधीन इमारत में मारपीट कर युवती से रेप

चीखें सुनकर लोग बचाने पहुंचे, बिल्डिंग से अर्ध नग्न हालत में भागी पीड़िता

भोपाल,(आरएनएस)। भोपाल के कोलार इलाके में स्थित एक निर्माणाधीन बिल्डिंग में युवती के साथ रेप का मामला सामने आया है। घटना शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात की है। लोगों ने इमारत से युवती के चीखने की आवाजें सुनीं, इसके बाद बिल्डिंग के करीब पहुंचे। जहां एक युवती अर्ध नग्न हालत में दिखी। पीड़िता बिल्डिंग से निकलकर सड़क पर पहुंची। यह देख लोगों ने एफआरवी पर मामले की सूचना दी।सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने युवती को अस्पताल पहुंचाया और मेडिकल परीक्षण कराया। जिसके बाद पीड़िता के बताए घटनाक्रम के मुताबिक युवक के खिलाफ मारपीट और रेप करने की धाराओं में एफआईआर दर्ज की। आरोपी की गिरफ्तारी कर ली गई है।

मजदूरी करने भोपाल आई है पीड़िता

जानकारी के मुताबिक 22 वर्षीय पीड़िता ने पुलिस को बताया कि मूल रूप से डिंडोरी जिले की रहने वाली थी। बीते 6 महीने से अपनी दीदी और जीजा के साथ कोलार इलाके में स्थित एक निर्माण साइट पर रह रही है। वह मजदूरी का काम करती है। दीदी के साथ परिचितों से मिलने शुक्रवार की शाम को पहुंची थी।

कोल्ड्रिंक में नशीला पदार्थ देकर रेप

यहां पूर्व परिचित सत्येंद्र धुर्वे मिला। सभी ने मिलकर खाना खाया, इसी दौरान आरोपी सत्येंद्र ने कोल्ड्रिंक पीने को दी। जिसे पीते ही उसे नशा होने लगा। जिसके बाद सत्येंद्र ने उसके साथ ज्यादती की। पीड़िता ने विरोध किया तो उसके मारपीट की गई।

पुलिस को सड़क पर दौड़ती मिली पीड़िता

जान बचाने के लिए वह अर्धनग्न हालत में ही सड़क की ओर भागने लगी। जिसके बाद पुलिस ने उसे कस्टडी में लेकर मेडिकल परीक्षण के बाद थाने पहुंचाया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर शनिवार तड़के एफआईआर दर्ज कर ली।

मामले की जांच शुरू की

थाना प्रभारी संजय सोनी ने बताया कि फिलहाल मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोपी की गिरफ्तारी कर ली गई है। मेडिकल परीक्षण के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश कर दिया गया है। न्यायालय के आदेश पर उसे जेल भेजा जाएगा।

वन विहार में बटरफलाई रक्षा बंधन उत्सव

प्रकृति का उत्सव, प्रेम का बंधन – आइए बाँधें रक्षा सूत्र, तितलियों के संरक्षण का लें प्रण

भोपाल (आरएनएस)। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में शनिवार 29 अगस्त को तितलियों के संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से बटरफ्लाई रक्षा बंधन उत्सव का आयोजन प्रात: 10 से 12 बजे तक भ्रमण के लिये आने वाले पर्यटकों के लिए किया गया। आयोजन प्रकृति, जैव-विविधता और तितलियों के संरक्षण के प्रति समाज में संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। रक्षाबंधन के पावन अवसर को प्रकृति संरक्षण से जोड़ते हुए कार्यक्रम में तितलियों के लिए प्रतीकात्मक रक्षा सूत्र बाँधने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने की गतिविधियाँ आयोजित की गई। इसका संदेश है कि तितलियाँ केवल प्रकृति की सुंदरता का प्रतीक ही नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र एवं परागण प्रक्रिया की महत्वपूर्ण कड़ी भी हैं। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों, युवाओं एवं आम नागरिकों को तितलियों के जीवन-चक्र, उनके आवास, परागण में उनकी भूमिका तथा जैव-विविधता के संरक्षण के महत्व के संबंध में वन विहार की नेचुरलिस्ट कृति जैन एवं गणेश द्वारा जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों से आह्वान किया गया है कि वे तितलियों के प्राकृतिक आवासों की रक्षा करें, स्थानीय पौधों एवं पुष्पीय वनस्पतियों को बढ़ावा दें तथा प्रकृति-अनुकूल व्यवहार अपनाकर जैव-विविधता संरक्षण में अपना योगदान दें। संचालक वन विहार के निर्देशन में यह आयोजन किया गया। इस अवसर पर सहायक संचालक वन विहार द्वारा प्रोत्साहन स्वरुप प्रतिभागियों को मानव निर्मित तितलियाँ रक्षा सूत्र के रूप में प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत शाहपुरा के वार्ड-51 में जन-कल्याण शिविर आयोजित

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश में संचालित 'मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान-2026' के अंतर्गत शनिवार को भोपाल में शाहपुरा के जोन क्रमांक-6 स्थित वार्ड क्रमांक-51 के सी-सेक्टर में जन-कल्याण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया।शिविर में महापौर मालती राय, पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह, स्थानीय पार्षद, कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। विभागीय स्टॉलों के माध्यम से अधिकारियों ने नागरिकों को हितग्राहीमूलक योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी तथा उनकी समस्याओं और आवेदनों का निराकरण किया।महापौर मालती राय ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार प्रदेशभर में आयोजित किए जा रहे मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के शिविरों का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना और विकास कार्यों को धरातल पर गति देना है।

संपत्तिकर में छह प्रतिशत छूट का अंतिम मौका, रविवार को भी खुले रहेंगे निगम के जोन और वार्ड कार्यालय

भोपाल, (आरएनएस)। भोपाल नगर निगम द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के संपत्तिकर पर दी जा रही छह प्रतिशत की विशेष छूट का लाभ लेने के लिए अब केवल दो दिन शेष हैं। करदाताओं की सुविधा को देखते हुए नगर निगम प्रशासन ने रविवार, 30 अगस्त को अवकाश के दिन भी सभी जोन एवं वार्ड कार्यालय खुले रखने का निर्णय लिया है। निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे रविवार और सोमवार को अपने संपत्तिकर सहित अन्य करों एवं शुल्कों का भुगतान कर छह प्रतिशत की विशेष छूट का लाभ उठाएं। करदाता निगम के किसी भी वार्ड कार्यालय में कर जमा करने के साथ ही निगम की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान भी कर सकते हैं।नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने राजस्व अमले को निर्देश दिए हैं कि अधिक से अधिक करदाताओं तक संपत्तिकर में दी जा रही विशेष छूट की जानकारी पहुंचाई जाए और उन्हें समय सीमा के भीतर कर जमा करने के लिए प्रेरित किया जाए। निगम प्रशासन के अनुसार, रविवार को सभी जोन एवं वार्ड कार्यालय खुले रहने से नागरिकों को अवकाश के दिन भी कर जमा करने की सुविधा मिलेगी। निगम ने करदाताओं से अपील की है कि वे अपने बकाया संपत्तिकर का समय पर भुगतान कर छूट का लाभ उठाएं तथा शहर के विकास में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

मप्रः पीजीआई-डी रिपोर्ट पर जीतू पटवारी ने उठाए सवाल

भोपाल,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की जि़लों के लिए परफ़ॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (पीजीआई-डी) 2025-26 रिपोर्ट के आधार पर प्रदेश की स्कूली शिक्षा व्यवस्था को लेकर सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर रिपोर्ट में सामने आए जिलावार प्रदर्शन की समीक्षा कराने और कमजोर क्षेत्रों में सुधार के लिए समयबद्ध कार्ययोजना बनाने की मांग की है।जीतू पटवारी के मुताबिक पीजीआई -डी में देश के 784 जिलों की स्कूली शिक्षा व्यवस्था का 600 अंकों के पैमाने पर मूल्यांकन किया गया है। इसमें सीखने के नतीजे, शिक्षक, बुनियादी ढांचा, स्कूल सुरक्षा और बच्चों की सुरक्षा, डिजिटल लर्निंग और शासन सहित विभिन्न मानकों को शामिल किया गया है। उनका दावा है कि रिपोर्ट के अनुसार मध्य प्रदेश का कोई भी जिला 60 प्रतिशत के प्रदर्शन स्तर को पार नहीं कर सका। प्रदेश में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला जिला 333 अंक यानी 55.5 प्रतिशत के स्तर पर रहा।

भोपाल-इंदौर समेत कई जिलों के आंकड़ों पर उठाए सवाल

पीसीसी चीफ पटवारी ने रिपोर्ट में दर्ज विभिन्न जिलों के आंकड़ों का हवाला देते हुए शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत बताई। उनके अनुसार भोपाल में सीखने के परिणाम करीब 47 प्रतिशत और स्कूल सुरक्षा करीब 37 प्रतिशत रहा। इंदौर में स्कूल में सुविधाएं करीब 41 प्रतिशत तथा सीखने के परिणाम करीब 47 प्रतिशत बताया गया है। इसी तरह सागर में डिजिटल लर्निंग का प्रदर्शन करीब 24 प्रतिशत, बड़वानी में स्कूल सुरक्षा करीब 26 प्रतिशत, सीखने के परिणाम करीब 36 प्रतिशत और डिजिटल लर्निंग करीब 16 प्रतिशत बताया गया। विदिशा में सीखने के परिणाम करीब 41 प्रतिशत, अशोकनगर में स्कूल प्रबंधन करीब 45 प्रतिशत और सीखने के परिणाम करीब 49 प्रतिशत, आगर-मालवा में स्कूल सुरक्षा करीब 34 प्रतिशत और डिजिटल लर्निंग करीब 28 प्रतिशत तथा धार में डिजिटल लर्निंग करीब 20 प्रतिशत और सीखने के परिणाम करीब 42 प्रतिशत रहने का दावा किया गया है।उन्होंने कहा कि डिजिटल शिक्षा के दौर में कई जिलों में डिजिटल लर्निंग का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कम रहना चिंता का विषय है। सरकार को यह देखना चाहिए कि स्कूलों में डिजिटल संसाधनों, इंटरनेट, स्मार्ट क्लास और शिक्षकों के डिजिटल प्रशिक्षण की स्थिति क्या है।

पटवारी ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था का मूल्यांकन केवल योजनाओं और घोषणाओं से नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सीखने के स्तर, स्कूलों की सुविधाओं और सुरक्षित वातावरण जैसे परिणामों के आधार पर किया जाना चाहिए।

सतना में मूसलाधार बारिश से हाहाकार, चित्रकूट जलमग्न;सड़कों पर चलीं नावें

सतना, (आरएनएस.)। मध्य प्रदेश के सतना जिले में लगातार हो रही मूसलधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। धार्मिक नगरी चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने के बाद बाढ़ की स्थिति विकराल हो गई है। रामघाट सहित कई इलाके जलमग्न हैं। घाट किनारे की करीब 400 दुकानें पानी में डूब गई हैं, जबकि कई प्रमुख धार्मिक स्थल भी बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। सड़कों पर पानी भरने के कारण कई स्थानों पर नावों से आवागमन की स्थिति बन गई है। चित्रकूट में स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए दो हेलीकॉप्टर लगाए गए हैं। वहीं, एसडीआरएफ की टीमें नावों के जरिए प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में जुटी हैं।

रामघाट में हालात बिगड़े, पुल को भी नुकसान

मंदाकिनी नदी के लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण रामघाट क्षेत्र में हालात बेहद चिंताजनक हो गए हैं। इसी बीच उफनती नदी के तेज बहाव से रामघाट का बड़ा पुल टूटने की खबर सामने आई है। पुल और नदी के रौद्र रूप को देखकर स्थानीय लोगों तथा श्रद्धालुओं में दहशत फैल गई। कई लोग अपने घरों और प्रतिष्ठानों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर जाने को मजबूर हुए। चित्रकूट में पिछले करीब 14 घंटे से जारी बारिश के कारण सतना से चित्रकूट जाने वाला मार्ग तीन स्थानों पर बंद हो गया है। इससे प्रशासनिक वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित हुई है। रामघाट, भारत घाट, आरोग्यधाम, गुप्त गोदावरी और सती अनुसूइया क्षेत्र में भी पानी भर गया है। नयागांव स्थित राजमहल के अंदर तक पानी पहुंचने की जानकारी है। रामघाट क्षेत्र में बाढ़ का असर सबसे अधिक दिखाई दे रहा है। घाट किनारे की करीब 400 दुकानें पानी में डूब चुकी हैं। करीब 25 फीट ऊंचा बड़ा पुल भी डूबने की कगार पर पहुंच गया है और उसकी रेलिंग टूट गई है। मझगवां के समीप रेलवे ट्रैक पर पानी आ जाने के कारण आनंद विहार-रीवा एक्सप्रेस को बीच रास्ते रोकना पड़ा। वहीं घरों और होटलों में फंसे श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों को बाहर निकालने के लिए एसडीआरएफ की टीमें नावों की सहायता से लगातार अभियान चला रही हैं।

लगातार बारिश से नदी-नालों के उफान पर आने के बीच जैतवारा तहसील के झरी गांव में भी बाढ़ का पानी बढ़ गया। यहां ग्रामीणों के फंसे होने की सूचना मिलने पर एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और अभियान चलाकर लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। जवानों ने बाढ़ के तेज बहाव के बीच ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया।

जबलपुर रेल मंडल पर भारी बारिश का कहर, ट्रैक पर कई फीट पानी 44 ट्रेनें प्रभावित

जबलपुर,(आरएनएस.)। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर रेल मंडल के सतना-मानिकपुर रेलखंड में लगातार हो रही भारी बारिश से रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। शुक्रवार रात चितहरा रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर कई फीट तक पानी भर गया। पानी कई किलोमीटर तक ट्रैक पर जमा होने से रेल संचालन पर असर पड़ा और दोनों दिशाओं में यातायात रोकना पड़ा।भारी बारिश के बीच रेलवे कर्मचारियों ने मोर्चा संभाला। ट्रैक पर कमर तक पानी भरे होने के बावजूद कर्मचारी पानी में उतरकर रेल लाइन की स्थिति की निगरानी करते रहे और रेल संचालन को सुरक्षित तरीके से बहाल करने के प्रयास में जुटे रहे। बताया गया कि सतना मानिकपुर क्षेत्र में पूरी रात तेज बारिश होती रही। इसका सबसे ज्यादा असर चितहरा स्टेशन से मानिकपुर की ओर जाने वाले रेलखंड पर दिखाई दिया, जहां कई किलोमीटर तक ट्रैक जलमग्न हो गया।

नन्ही बहन ने भाई की कलाई पर बांधा प्रेम का धागा

जबलपुर (आरएनएस.)। रक्षाबंधन पर्व पूरे देश में हर्षोल्लास और भाई-बहन के अटूट प्रेम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर घरों से लेकर सोशल मीडिया तक भाई-बहन के स्नेह और खुशियों की तस्वीरें सामने आईं।

इसी क्रम में अधारताल निवासी महज 2 वर्षीय शुभकामना विश्वकर्मा ने अपने 4 वर्षीय भाई शुभ विश्वकर्मा को स्नेहपूर्वक तिलक लगाया और नन्हे हाथों से उसकी कलाई पर राखी बांधी। इसके बाद बहन ने भाई को मिठाई खिलाकर उसके स्वस्थ, सुखी और दीर्घायु जीवन की कामना की।

भाई शुभ ने भी अपनी नन्ही बहन के प्रति स्नेह जताया। दोनों मासूम भाई-बहन की यह प्यारी तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई तो लोगों ने भी इसे खूब पसंद किया और दोनों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।

बचपन की मासूमियत से भरा यह रक्षाबंधन का पल भाई-बहन के रिश्ते में छिपे प्रेम, अपनापन और खूबसूरत भावनाओं की झलक दिखाता नजर आया।

हाइवे पर बाघिन को घेरकर खड़े हुए लोग, आक्रोशित होकर राहगीरों की ओर दौड़ी; बाल-बाल बचे लोग

उमरिया, (आरएनएस.)। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले से गुजरने वाले एनएच-78 पर शुक्रवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब घुनघुटी वन परिक्षेत्र में ऋतुवन ढाबे के पास जंगल से निकलकर एक बाघिन सड़क पार करती दिखाई दी। बाघिन को देखने के लिए राहगीरों ने अपने वाहन रोक दिए। कुछ ही देर में सड़क के दोनों ओर लोगों की भीड़ जमा हो गई और कई लोग मोबाइल से उसका वीडियो बनाने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ देर तक बाघिन सड़क पार करने के लिए आगे बढ़ती रही। इस दौरान लगातार बढ़ती भीड़ और उसकी ओर किए जा रहे मोबाइल कैमरों के कारण बाघिन का व्यवहार अचानक आक्रामक हो गया। उसने मुंह खोला और लोगों की दिशा में दौड़ लगा दी। बाघिन को अपनी ओर आता देखकर राहगीरों में हड़कंप मच गया और लोग पीछे हटने लगे। हालांकि, बाघिन ने किसी व्यक्ति पर हमला नहीं किया और कुछ देर बाद जंगल की ओर लौट गई। घटना का वीडियो अब सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हो रहा है। बताया जा रहा है कि वीडियो शुक्रवार शाम का है। बाघिन को देखने के लिए बड़ी संख्या में वाहन हाईवे पर रुक गए थे, जिससे कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ।

जन विश्वास शिविर बन रहा है जन विश्वास का सबसे बड़ा आधार

मंत्री, महापौर, विधायक और अधिकारियों ने जनता के बीच पहुंचकर उनसे किया सीधा संवाद और किया उनकी समस्याओं का हाथों-हाथ समाधान

इन्दौर (आरएनएस.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार शासन-प्रशासन की पहुंच आमजन तक आसान करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत शनिवार को विधानसभा क्षेत्र इंदौर- 5 के झोन क्रमांक 18 में जन-विश्वास शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर मुसाखेड़ी स्थित झोनल कार्यालय परिसर में आयोजित किया गया। शिविर में विधानसभा क्षेत्र क्रमांक इंदौर 5 के सभी वार्डों से बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचे और अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याएं एवं शिकायतें रखीं। अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और अनेक मामलों में मौके पर ही समाधान की कार्रवाई की। शिविर में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट,

महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक महेन्द्र हार्डिया, कलेक्टर शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु प्रजापति, अपर कलेक्टर रिंकेश वैश्य, एमआईसी मेम्बर राजेश उदावत तथा नंदु पहाड़िया सहित जिला प्रशासन, नगर निगम एवं विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने क्षेत्र का भ्रमण कर शासकीय संस्थाओं, विकास कार्यों एवं आधारभूत सुविधाओं की मैदानी स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों और विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा क्षेत्र में स्थित विभिन्न शासकीय एवं जनसेवा संस्थाओं का निरीक्षण किया गया।

मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक, शासकीय हिंदी प्राथमिक विद्यालय, संदीपनी विद्यालय, लोकमान्य तिलक सहकारी उपभोक्ता भंडार, शासकीय प्राथमिक विद्यालय, आरोग्य अस्पताल, प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भंडार तथा आंगनबाड़ी केंद्रों का जायजा लिया।

व्यापार समाचार

दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी की कीमतों में 3.89 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी, नई दरें आज से लागू

नई दिल्ली (ए.)। दिल्ली-एनसीआर में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमतों में 3.89 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि की गई है। संशोधित दरें शनिवार सुबह 6 बजे से प्रभावी हो गई हैं। यह वृद्धि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रमुख शहरी गैस वितरक इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) द्वारा घोषित की गई है।

हालिया बढ़ोतरी के बाद, दिल्ली में सीएनजी की कीमत 83.09 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 86.98 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। संशोधित दरें नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम सहित कई पड़ोसी शहरों में भी लागू होंगी।

नोएडा और गाजियाबाद में अब सीएनजी की कीमत 95.59 रुपये प्रति किलोग्राम होगी, जबकि गुरुग्राम में नई कीमत 92.01 रुपये प्रति किलोग्राम तय की गई है।

इस नवीनतम वृद्धि से सीएनजी पर अत्यधिक निर्भर वाहन चालकों और वाणिज्यिक वाहन संचालकों पर अतिरिक्त दबाव पड़ने की आशंका है। ऑटो-रिक्शा, टैक्सी, ऐप-आधारित कैब सेवाएं और अन्य वाणिज्यिक परिवहन संचालकों को इस संशोधन के बाद ईंधन पर अधिक खर्च करना पड़ सकता है। सीएनजी का उपयोग करने वाले निजी कार मालिकों को भी ईंधन पर अधिक खर्च करना पड़ेगा।

हाल के महीनों में सीएनजी की कीमतों में लगातार वृद्धि के बाद यह ताजा बढ़ोतरी हुई है। मई 2026 में, आईजीएल ने दिल्ली में 2 रुपये प्रति किलोग्राम की एक और वृद्धि की घोषणा की थी। यह संशोधन 26 मई से लागू होने वाली 1 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि के कुछ ही दिनों बाद किया गया था, क्योंकि सीएनजी की कीमतें लगातार बढ़ रही थीं।सार्वजनिक क्षेत्र की गैस वितरण कंपनी आईजीएल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की कीमतें काफी अधिक बनी हुई हैं और बढ़ती लागत का असर तेजी से महसूस किया जा रहा है। कंपनी ने कहा कि सीएनजी की कीमतों में 3.89 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि आवश्यक थी ताकि इनपुट गैस की लागत में वृद्धि की आंशिक रूप से भरपाई की जा सके और उपभोक्ताओं को सीएनजी की निरंतर और विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। बार-बार हो रही मूल्य वृद्धि ने परिवहन संचालकों के बीच चिंताएं बढ़ा दी हैं, खासकर महानगरीय क्षेत्रों में जहां सीएनजी से चलने वाले वाहन सार्वजनिक और वाणिज्यिक परिवहन नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

भारत के विकास के लिए सुशासन अत्यंत महत्वपूर्ण : केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली (ए.)। केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत के विकास के लिए सुशासन बहुत जरूरी है। उन्होंने देश के विकास में कंपनी सचिवों के ज्यादा योगदान की बात कही।

मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत में उन्होंने कहाकि कॉर्पोरेट और आर्थिक इकोसिस्टम में गवर्नेंस के तरीकों को मजबूत करने में उनकी पेशेवर विशेषज्ञता अहम भूमिका निभा सकती है।कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने नैतिक उद्यमिता और सुशासन की मजबूत संस्कृति बनाने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि आईसीएसआई जैसे पेशेवर संस्थानों की गवर्नेंस मानकों को बढ़ावा देने और संस्थागत उत्कृष्टता में योगदान देने वाले तरीकों को आसान बनाने में अहम भूमिका है। मंत्री ने पंचायत गवर्नेंस और स्थानीय निकाय गवर्नेंस से जुड़ी आईसीएसआई की पहलों का जिक्र किया और कई भाषाओं में मैनुअल और ट्रेनिंग मटीरियल तैयार करने के संस्थान के प्रयासों की सराहना की।

ज्यादा चीनी, नमक या फैट वाले खाने-पीने के सामान के पैकेट पर लाल रंग की चेतावनी दें; एफएसएसएआई का प्रस्ताव

नई दिल्ली (ए.)। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) ने प्रोसेस किए गए खाने-पीने की उन चीजों के पैकेट के सामने लाल रंग का वॉर्निंग लेबल लगाने का प्रस्ताव दिया है, जिनमें चीनी, नमक या फैट की मात्रा ज्यादा होती है। यह कदम इसलिए जरूरी है ताकि ग्राहक सोच-समझकर सही चुनाव कर सकें।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, एफएसएसएआई ने सुप्रीम कोर्ट में बताया है कि चेतावनी लेबल पर साफ-साफ लिखा होगा- जैसे ज्यादा वसा वाला, ज्यादा चीनी वाला, ज्यादा नमक वाला या बहुत ज्यादा मीठा पेय... ताकि लोग आसानी से समझ सकें कि किस प्रोडक्ट में कौन सी चीज ज्यादा मात्रा में है।

सुप्रीम कोर्ट में यह दलील इसलिए दी गई क्योंकि वह पश्चिमी देशों की तर्ज पर चेतावनी लेबल लगाने की मांग करने वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस महीने की शुरुआत में एक सुनवाई में एफएसएसएआई से कहा था कि वह इन लेबलों को लागू करने में तेजी लाए।

नेस्ले, पेप्सिको और कोका-कोला जैसी बड़ी खाद्य कंपनियां इस

कदम का विरोध कर रही हैं क्योंकि इससे बिक्री प्रभावित होने की आशंका है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछली सुनवाई के दौरान अनिवार्य पैकेज्ड फूड अलर्ट लेबल को लागू करने में लंबी देरी पर एफएसएसएआई की खिंचाई की थी। एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों, विशेषकर छोटे बच्चों को मोटापे जैसी बीमारियों के खतरे से बचाने के लिए पारदर्शी पोषण संबंधी खुलासे महत्वपूर्ण हैं।

न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने वैधानिक नियामक की धीमी गति पर गहरा असंतोष व्यक्त किया। न्यायाधीशों ने सवाल किया कि क्या रेगुलेटरी अथॉरिटी वास्तव में भारतीय आबादी के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हैं। नतीजतन, अदालत ने चेतावनी दी कि यदि कार्यकारी शाखा स्वतंत्र रूप से कार्य करने में विफल रही तो न्यायिक आदेशों का पालन किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने उन तर्कों को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि पैकेज के सामने चेतावनी लेबल पारंपरिक भारतीय पैक किए गए स्नैक्स पर गलत तरीके से जुर्माना लगा सकते हैं। पीठ ने कहा कि व्यावसायिक हित सार्वजनिक स्वास्थ्य अनिवार्यताओं पर हावी नहीं हो सकते। इसने नियामक संस्था को एक निश्चित रूपरेखा स्थापित करने के लिए दो सप्ताह की सख्त अवधि प्रदान की। न्यायाधीशों ने इस बात पर जोर दिया कि युवा उपभोक्ताओं को अल्ट्रा-प्रोसेस्ड वस्तुओं के एग्रेसिव मार्केटिंग का सामना करना पड़ता है।

पंजाब यूनिवर्सिटी में प्रोजेक्ट असिस्टेंट सहित कई पदों पर भर्ती का मौका, 8 सितंबर को वॉक-इन इंटरव्यू

चंडीगढ़ (ए.)। शैक्षणिक संस्थान से जुड़े जो लोग देश की किसी प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी में नौकरी करना चाहते हैं, उनके लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। दरअसल, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए चंडीगढ़ के 'स्टेट सपोर्ट मिशन' के 'लीड कॉलेज इंस्टीट्यूशन' (एलकेआई) के तौर पर प्रोजेक्ट असिस्टेंट सहित अलग-अलग कई अस्थायी पदों पर इच्छुक और योग्य उम्मीदवारों की नियुक्ति के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी करके आवेदन आमंत्रित किए हैं। पंजाब यूनिवर्सिटी की ओर से जारी रिक्तियों में प्रोजेक्ट असिस्टेंट के 3 और प्रोजेक्ट एसोसिएट के 3 पद शामिल हैं। इन दोनों पोस्ट पर योग्य अभ्यर्थियों का चयन वॉक-इन इंटरव्यू और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के आधार पर किया जाएगा, जिसके बाद चयनित कैंडिडेट्स की सैलरी पद के अनुसार, 6,000 से 30,625 रुपए के बीच प्रति माह होगी। इसके अलावा, कैंडिडेट्स को अन्य लाभ और भत्ते भी दिए जाएंगे।इंटरव्यू में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री, जिसमें कम से कम 55 प्रतिशत मार्क्स हों, होनी चाहिए। वॉक-इन इंटरव्यू 8 सितंबर को 'सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप, पहली मंजिल', कैलेम बिल्डिंग, साउथ कैंपस, पंजाब यूनिवर्सिटी, सेक्टर 25, चंडीगढ़' पते पर आयोजित किए जाएंगे।

भारत में विनिर्माण कीजिए, दुनिया के लिए बनाइए : सीतारमण

-शिकागो में प्रमुख निवेशकों और बिजनेस लीडर्स के साथ हाई-लेवल बिजनेस गोलमेज

नई दिल्ली/वाशिंगटन (ए.)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वैश्विक निवेशकों को भारत में विनिर्माण आधार और प्रौद्योगिकी एवं नवाचार केंद्र स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया। उनसे दुनिया के लिए कुछ बनाने के मकसद से यहां के टैलेंट और मौकों का लाभ उठाने का आग्रह किया है। वित्त मंत्री कार्यालय ने शनिवार को 'एक्स' पोस्ट में बताया कि सीतारमण ने शुक्रवार को शिकागो में प्रमुख निवेशकों और बिजनेस लीडर्स के साथ एक हाई-लेवल बिजनेस गोलमेज को संबोधित करते हुए यह बात कही। वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में भारत की व्यापक विकास दर, सुधारों की गति और लंबे समय के निवेश के लिए बढ़ते अवसरों पर जोर दिया।सीतारमण ने वैश्विक निवेशकों को भारत में विनिर्माण आधार एवं प्रौद्योगिकी तथा नवाचार केंद्र स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने उनसे भारत की प्रतिभा और अवसरों का लाभ उठाकर दुनिया के लिए विनिर्माण करने का आग्रह किया। यह

गोलमेज सम्मेलन शिकागो में भारत के कॉन्सुलेट जनरल ने यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) के साथ मिलकर आयोजित किया था। इस बैठक का मुख्य फोकस भारत में निर्माण-भारत और दुनिया के लिए था, जिसमें विनिर्माण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एवं डिजिटल, वित्तीय सेवाएं, बुनियादी ढांचा, खाद्य प्रसंस्करण, डिफेंस और उन्नत प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में अवसरों पर चर्चा की गई।सीतारमण ने अपने संबोधन के दौरान इस बात पर जोर दिया कि भारत में निवेश का प्रस्ताव किसी एक सेक्टर पर नहीं बल्कि पिछले दशक में हुए बड़े पैमाने, विकास, टैलेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी और लगातार सुधारों के मेल पर टिका है। निवेशकों को संबोधित करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री ने भारत ही क्यों, अभी क्यों पर बात की जिसमें मजबूत घरेलू मांग, निवेश-आधारित विकास, मैक्रो-इकोनॉमिक मजबूती, टैलेंट का बड़ा पूल और तेजी से बढ़ता डिजिटल और फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल है।उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे ग्लोबल कंपनियां सप्लाई चेन और कैपिटल एलोकेशन का दोबारा आकलन कर रही हैं, भारत न केवल बड़े बाजार के तौर पर बल्कि लंबे समय के निवेश और कामकाज के प्लेटफॉर्म के तौर पर भी अपनी अहमियत बढ़ा रहा है। अन्य बातों के अलावा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत में कई क्षेत्रों में हो रहे बदलावों पर प्रकाश डाला।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

बाहर के व्यक्ति को चेयरमैन

टाटा परिवार आम चलन को तोड़ कर बाहर के व्यक्ति को चेयरमैन बनाने की उदारता तो दिखाता है, लेकिन उसे स्वतंत्र निर्णय नहीं लेने देता। यानी वह मालिक होने की पारंपरिक मानसिकता से उबर नहीं पाता।

एन. चंद्रशेखरन के चेयरमैन पद छोड़ने से टाटा ग्रुप में जारी विवाद पर विराम जरूर लग गया है, लेकिन यह प्रकरण इस कंपनी समूह की संचालन प्रक्रिया पर गंभीर प्रश्न छोड़ गया है। चंद्रशेखरन इस सदी में टाटा परिवार के बाहर से आए टाटा संस के दूसरे चेयरमैन थे। ऐसे अन्य चेयरमैन साइरस मिस्त्री को विवादों के कारण उनके पद से हटा दिया गया था। उस घटनाक्रम को चंद्रशेखरन मामले से जोड़ कर देखें, तो प्रश्न उठता है कि क्या टाटा परिवार से बाहर से आए अधिकारियों से यह ग्रुप अलग अपेक्षाएं रखता है? क्या यह मान्यता है कि ऐसे व्यक्ति भले सबसे ऊंचे पद पर हों, लेकिन वे निर्णय टाटा परिवार के मनमाफिक ही लें? समझा जाता है कि एयर इंडिया के प्रबंधन, टाटा समूह के डिजिटल एवं ई-कॉमर्स उद्यमों से संबंधित नीति, साइबर सुरक्षा उपायों, और जैगुआर/ लैंड रोवर परियोजनाओं के संचालन पर टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा के साथ चंद्रशेखरन के मतभेद गहराए, जिससे नोएल ने उनकी दोबारा नियुक्ति का प्रस्ताव रोक दिया।

इसके पहले मिस्त्री ने कंपनी की कई परियोजनाओं को लेकर दीर्घकालिक नजरिया अपनाया, जिससे फौरी घाटे को वे नजरअंदाज कर रहे थे। समझा जाता है कि इससे रतन टाटा नाराज हो गए, जिसके परिणामस्वरूप 2016 में मिस्त्री को उनके पद से हटा दिया गया। लगभग वैसी ही घटना चंद्रशेखरन के साथ दोहराई गई है, हालांकि औपचारिक तौर पर उन्होंने नए कार्यकाल के लिए खुद के उपलब्ध ना होने की घोषणा की है। बहरहाल, यह गौरतलब है कि टाटा संस के निदेशक मंडल का बहुमत उन्हें एक और कार्यकाल देने के पक्ष में था, जिसे एक तरह से नोएल टाटा ने वीटो कर दिया। इस बात का परोक्ष उल्लेख चंद्रशेखरन ने अपने त्यागपत्र में भी किया है। तो कुल सूरत यह उभरती है कि टाटा परिवार भारत के आम चलन को तोड़ कर अपने से बाहर के व्यक्ति को चेयरमैन जैसा पद देने की उदारता तो दिखाता है, लेकिन उसे स्वतंत्र निर्णय नहीं लेने देता। यानी वह मालिक होने की पारंपरिक मानसिकता से उबर नहीं पाता। नतीजतन, चेयरमैन के स्वतंत्र निर्णय टकराव का कारण बन जाते हैं।

कविता,

वतन की मिट्टी से प्यार।

वतन की माटी से प्यार रखिए,
दिल में इसका खुमार रखिए।

तिरंगे की शान के वास्ते,
सीने में तो अंगार रखिए।

दुश्मन चाहे जितना बढ़े,
हौसला अपना बरक़रार रखिए।

भारत माँ की आन के लिए,
हर एक क़दम तैयार रखिए।

सदैव गंगा माँ का मान रहे,
मन में निर्मल विचार रखिए।

जो देश तोड़ने आए यहाँ,
उससे अपना सरोकार न रखिए।

मज़हब, भाषा, जाति से ऊपर,
भारत को एक परिवार रखिए।

संजीव बस इतना याद रहे,
होठों पर वंदे मातरम् हर बार रखिए।

संजीव ठाकुर

नेपाल त्रासदी: क्या केवल प्राकृतिक आपदा समझना उचित होगा?

प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश, स्वतंत्र पत्रकार

नेपाल में हाल ही में घटी भयावह त्रासदी ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। इसने एक बार फिर हिमालयी क्षेत्र की संवेदनशीलता और मानव विकास की दिशा पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। बाढ़, भूस्खलन, हिमनदों (ग्लेशियर) के टूटने और अचानक आने वाले मलबे के सैलाब जैसी घटनाओं को प्राकृतिक आपदा कहकर आगे बढ़ जाना आसान हो सकता है। लेकिन क्या इस त्रासदी से हुई जन-धन की अपार हानि को केवल प्राकृतिक आपदा मानना उचित है? शायद नहीं। यह घटना प्रकृति के बदलते स्वरूप को पहचानने के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय असंतुलन और हिमालयी क्षेत्रों में बढ़ते मानवीय हस्तक्षेप के सम्मिलित प्रभावों की नए सिरे से विवेचना करने का अवसर देती है। हिमालय क्षेत्र भूगर्भीय रूप से अत्यधिक सक्रिय पर्वत प्रणालियों में से एक है। इसकी भौगोलिक संरचना स्वाभाविक रूप से इसे भूस्खलन, भूकंप, बाढ़ और हिमस्खलन जैसी घटनाओं के प्रति संवेदनशील बनाती है। इसके बावजूद सदियों से स्थानीय समुदाय प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर जीवन जीते आए हैं। समस्या तब अधिक गंभीर हो जाती है, जब प्राकृतिक संवेदनशीलता को दरकिनार कर अप्राकृतिक मानवीय गतिविधियों और अवसंरचनात्मक दबाव को प्राथमिकता दी जाने लगती है। नेपाल की घटना को इसी व्यापक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है। हिमनदों और हिमनदीय झीलों में हो रहे परिवर्तन, वैश्विक तापमान में वृद्धि, अत्यधिक मूसलाधार वर्षा और पहाड़ी ढलानों पर बिना योजना के बसती आबादी या अनियंत्रित पर्यटन जोखिम को कई गुना बढ़ा रहे हैं। किसी एक घटना को केवल जलवायु परिवर्तन का परिणाम घोषित करना वैज्ञानिक रूप से सही न हो, लेकिन बदलती जलवायु और हिमालयी पर्यावरण में आ रहे बदलावों को नजरअंदाज करना भी उतना ही अनुचित होगा।

इस त्रासदी का सबसे चिंताजनक पहलू सूचना क्रांति के युग में भी ऐसी घटनाओं का बड़े पैमाने पर अप्रत्याशित रूप से जन- धन नुकसान पहुंचाना है। इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता कि सामान्य बाढ़ की तुलना में ग्लेशियर फटने या हिमनदीय झील के टूटने से उत्पन्न मलबे का प्रवाह अत्यंत तीव्र और विनाशकारी होता है। पानी के साथ बर्फ, चट्टान, मिट्टी और मलबे का विशाल प्रवाह नीचे की ओर बढ़ता है तथा रास्ते में आने वाली बस्तियों, सड़कों और पुलों को ध्वस्त कर देता है। ऐसे में मात्र कुछ मिनटों या घंटों की अग्रिम पूर्व चेतावनी भी हजारों जान-माल की रक्षा कर सकती है। प्रश्न केवल यह नहीं है कि ऐसी विनाशकारी प्राकृतिक घटना कैसे घटी, बल्कि प्रश्न यह भी है कि हमने संवेदनशील स्थानों पर अनियोजित निर्माण की अनुमति क्यों और कैसे दी?, समय रहते सूचना क्यों नहीं प्राप्त की जा सकी? इस तथ्य से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि र्वतीय क्षेत्रों में सड़कों, अस्पतालों, विद्यालयों, संचार व्यवस्था और बिजली का विकास आवश्यक है। लेकिन यदि यह विकास हिमालय की पारिस्थितिक वहन क्षमता को ध्यान में रखे बिना किया जाए, तो वही विकास आपदा का कारण बन जाता है। नदी के प्राकृतिक प्रवाह क्षेत्रों में अतिक्रमण, अस्थिर ढलानों पर अवैज्ञानिक सड़क निर्माण, बहुमंजिला होटलों एवं भवनों का निर्माण और बिना पर्यावरणीय प्रभाव आकलन के बड़ी परियोजनाएं किसी भी प्राकृतिक घटना को मानवीय त्रासदी में बदल देती हैं। इसलिए प्राकृतिक आपदा और मानवजनित आपदा के अंतर को समझना आवश्यक है। भूस्खलन एक प्राकृतिक प्रक्रिया हो सकती है, लेकिन यदि अनियोजित निर्माण के कारण लोग वहां जोखिम में आते हैं, तो उसके विनाशकारी प्रभाव में मानवीय निर्णयों की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता।

यह घटना भारत के लिए भी एक गंभीर चेतावनी है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश तथा लद्दाख और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्य भी इसी हिमालयी पारिस्थितिकी का हिस्सा हैं। केदारनाथ और चमोली जैसी त्रासदियों ने पहले ही यह साबित कर दिया है कि अत्यधिक वर्षा और मानवीय हस्तक्षेप का संयोजन कितना विनाशकारी हो सकता है। अत: नेपाल के प्रति केवल संवेदना व्यक्त करना या राहत सामग्री भेजना पर्याप्त नहीं होगा; हमें इस घटना से सीख लेकर अपने देश में भी बहुत कुछ करना होगा।आज आधुनिक विज्ञान, उपग्रह निगरानी, रिमोट सेंसिंग, ड्रोन, मौसम पूर्वानुमान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विश्लेषण के माध्यम से संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी संभव है।

डिजिटल भारत दौड़ रहा है, सवाल है – दौड़ की लगाम किसके हाथ है?

[डिजिटल दौड़ में जियो आगे, लेकिन विकल्प कितने बाकी]

प्रो. आरके जैन अरिजीत

सेबी की मंजूरी के साथ रिलायंस जियो प्लेटफॉर्म्स का करीब 37,700 करोड़ रुपये का आईपीओ भारतीय शेयर बाजार में नया कीर्तिमान बना सकता है। करीब 27 करोड़ नए शेयर जारी होंगे और कंपनी का मूल्यांकन 137 अरब डॉलर तक पहुँच सकता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की 66 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बनी रहेगी। मेटा और गूगल जैसे वैश्विक तकनीकी दिग्गज निवेश बनाए रखेंगे। आईपीओ से करीब 27,500 करोड़ रुपये रिलायंस जियो इन्फोकॉम का कर्ज चुकाने में जाएंगे। बाजार के लिए यह बड़ी पूंजी जुटाने की खबर है, लेकिन भारत के लिए सवाल बड़ा है—जियो का शेयर किस भाव पर बिकेगा, यह नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल दुनिया की चाबी किन हाथों में रहेगी।2016 में जियो का आगमन महज नई टेलीकॉम कंपनी का प्रवेश नहीं था; उसने भारत में इंटरनेट की तस्वीर बदल दी। मुफ्त-सस्ते डेटा ने इंटरनेट को महानगरों से गाँव-कस्बों की जरूरत बना दिया। वीडियो कॉल, ऑनलाइन पढ़ाई, मनोरंजन बढ़े और छोटे कारोबार डिजिटल बाजार में आए। आज जियो के 53 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं, जिनमें 50.6 करोड़ वायरलेस ग्राहक हैं (जुलाई 2026, ट्राई रिपोर्ट)। वह दुनिया के बड़े मोबाइल ऑपरेटरों में है। फिक्स्ड ब्रॉडबैंड में हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से अधिक, कुल ब्रॉडबैंड में करीब 49 प्रतिशत और 5 प्रतिशत फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस में 70 प्रतिशत से ज्यादा है। राजस्व 1.47 लाख करोड़ और मुनाफा करीब 30 हजार करोड़ रुपये है। आंकड़े ताकत बताते हैं, लेकिन सवाल है—जियो की इस ऊँचाई के बाद दूसरों के लिए मैदान कितना बचा हैजियो की सफलता का दूसरा पहलू यहीं दिखता है। सस्ते डेटा ने करोड़ों भारतीयों को इंटरनेट से जोड़ा, लेकिन इस कीमत-क्रांति ने छोटे खिलाड़ियों की जगह भी घटाई। जब दो बड़ी कंपनियाँ ब्रॉडबैंड कनेक्शनों का करीब 84 प्रतिशत नियंत्रित करती हों, तो प्रतिस्पर्धा सिर्फ सस्ता पैकेज नहीं रह जाती। असली प्रतिस्पर्धा तब है, जब नया खिलाड़ी बाजार में आ सके, उपभोक्ता के पास विकल्प हों और छोटा खिलाड़ी बड़े को चुनौती दे सके। जियो ने दूरसंचार का खेल बदला, जिससे कई पुराने खिलाड़ी हाशिये पर चले गए या बाहर हो गए।

विष्णु देव की सरकार में महिला सशक्तिकरण को नई उड़ान

महतारी वंदन से आरंभ हुआ सफ़र- ड्रोन दीदी, ई-रिक्शा दीदी और लखपति दीदी बन गढ़ रही आत्मनिर्भरता की राह

तेजबहादुर सिंह भुवाल

छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण अब केवल एक नारा नहीं, बल्कि महिलाओं के जीवन में दिखाई देने वाला बदलाव बन रहा है। विष्णु देव साय की सरकार महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा देने के साथ-साथ उन्हें रोजगार, तकनीक, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता से जोड़ने की दिशा में लगातार काम कर रही है। इसी कड़ी में महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त जारी कर प्रदेश की महिलाओं को रक्षाबंधन के पूर्व राखी का विशेष उपहार दिया गया है। यह पहल महिलाओं के लिए आर्थिक संबल के साथ उस विश्वास को भी मजबूत करती है कि परिवार और समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।

महतारी वंदन योजना: आर्थिक संबल का आधार

महतारी वंदन योजना ने प्रदेश की पात्र महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा का एक नया आधार तैयार किया है। नियमित आर्थिक सहायता से महिलाएं अपनी व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के साथ परिवार की आवश्यकताओं में भी योगदान दे पा रही हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर 31वीं किस्त का उपहार महिलाओं के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और महिला सशक्तिकरण के संकल्प को दर्शाता है। आर्थिक सहायता का यह क्रम महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें आर्थिक निर्णयों में अधिक सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

लखपति दीदी: कमाई के साथ बढ़ता आत्मविश्वास

राज्य सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में लखपति दीदी की योजना भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं कृषि, पशुपालन, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प, छोटे व्यवसाय और अन्य आयमूलक गतिविधियों के माध्यम से अपनी आमदनी बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। जब एक महिला अपने पैरों पर खड़ी होती है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और परिवार के आर्थिक निर्णयों में उसकी भागीदारी भी मजबूत होती है।

ड्रोन दीदी: आसमान छूते सपने

आज छत्तीसगढ़ की महिलाएं आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में भी कदम बढ़ा रही हैं। ड्रोन दीदी जैसी पहल ग्रामीण महिलाओं को नई तकनीक से जोड़ने और कृषि क्षेत्र में सेवाओं के माध्यम से आय के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण है, जो महिलाएं कभी खेतों में परंपरागत तरीके से काम करती थीं, वे अब तकनीक का प्रशिक्षण लेकर ड्रोन संचालन जैसी आधुनिक गतिविधियों से जुड़ रही हैं। यह बदलाव महिला सशक्तिकरण की बदलती तस्वीर को सामने लाता है। इन महिलाओं के देखकर अन्य महिलाएं भी प्रेरित होकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है।

ई-रिक्शा दीदी: रोजगार की नई राह

महिलाओं को पारंपरिक रोजगार से आगे बढ़ाकर नए क्षेत्रों में अवसर देने की दिशा में ई-रिक्शा दीदी जैसी पहल भी उल्लेखनीय है। ई-रिक्शा के माध्यम से महिलाएं परिवहन क्षेत्र में रोजगार का नया अवसर प्राप्त कर सकती हैं और अपनी आय का साधन विकसित कर सकती हैं। यह पहल महिला को केवल रोजगार नहीं देती, बल्कि उसे स्वतंत्रता, आत्मविश्वास और सम्मान के साथ आगे बढ़ने का अवसर भी देती है।

स्व-सहायता समूहों से मजबूत हो रही महिलाओं की भागीदारी

महिला सशक्तिकरण की इस यात्रा में स्व-सहायता समूह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। समूहों के माध्यम से महिलाएं बचत, प्रशिक्षण, ऋण, उत्पादन और बाजार से जुड़कर आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ा रही हैं। आज महिला केवल किसी योजना की लाभार्थी नहीं, बल्कि परिवार की अर्थव्यवस्था, गांव की अर्थव्यवस्था और प्रदेश के विकास की सक्रिय भागीदार बनने की ओर बढ़ रही है।

सहायता से आत्मनिर्भरता तक

विष्णु देव साय सरकार की महिला-केंद्रित पहलों को एक साथ देखें तो इनका उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम और आत्मनिर्भर बनाना दिखाई देता है। महतारी वंदन योजना आर्थिक संबल देती है,

ड्रोन दीदी तकनीक से जोड़ती है,
लखपति दीदी आय बढ़ाने का अवसर देती है,
और ई-रिक्शा दीदी रोजगार की नई राह खोलती है।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप सबसे पहले पेंडिंग कार्यों को पूरा करेंगें , जिससे आपको अन्य कार्यों के लिए भी समय मिल सके। आज आप नया वाहन लेने का विचार करेंगें और इसके बारे में आप बड़े भाई से बात कर सकते हैं।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा। आज व्यापारिक दृष्टि से आपका दिन सही रहेगा और आपके व्यावसायिक रिश्ते मजबूत बने रहेंगे। आज ऑफिस में आपको पहले की अपेक्षा ज्यादा काम मिल सकता है, लेकिन आप समय रहते सब कुछ अच्छे से निपटा लेंगे। इस राशि की महिलाएं आज किसी बिजनेस की शुरुआत कर सकती है , जिसमें साथी से सपोर्ट मिलेगा।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आपको नौकरी में प्रमोशन मिलने के चांसेस हैं , जिससे घर में खुशी का माहौल रहेगा। आज आप जो भी काम शुरु करेंगे, उसे समय रहते पूरा कर लें।

कर्क राशि : आज आपका दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपको रोजगार में नए अवसर प्राप्त होंगें , जिनका लाभ उठाकर आप आगे बढ़ सकते हैं। आज आप जरूरी काम करने से पहले घर के बड़ों या किसी अनुभवी व्यक्ति से राय जरूर ले लें।

सिंह राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपकी कारोबारी गतिविधियां सुचारु रूप से चलती रहेंगी और आपको अच्छा धन लाभ भी होगा। इस राशि के छात्र विदेश में हॉयर एजुकेशन के लिए जाना चाहते हैं, तो आप किसी समझदार व्यक्ति से सलाह ले सकते हैं।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आज आपके बिगड़े काम बनेंगे और आपको नए कार्यों में भी सफलता मिलेगी। आज कोर्ट-कचहरी के मामलों में भी आपको अच्छी खबर मिल सकती है।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज कार्यस्थल पर आपकी मुलाकात नए व्यक्तियों से होगी , जिनसे मिलकर आपको खुशी मिलेगी। आज आप कुछ ऐसा करेंगे , जिससे घर के सभी सदस्य आपकी तारीफ करेंगे। इस राशि के बिजनेस से जुड़े व्यक्ति आज डबल मुनाफा कमायेंगे।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज किसी काम में आपको मन मुताबिक परिणाम हासिल होंगें। यदि आप अपने बिजनेस को किसी दूसरी जगह पर शिफ्ट करना चाह रहे हैं, तो एक बार जगह अच्छे से देख लें।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप दूसरों से हटकर कुछ अलग करने का प्रयास करेंगे , जिसमें आपको पिता का साथ मिलेगा। इस राशि के सामाजिक कार्यों से जुड़े व्यक्ति को आज संस्था के द्वारा सम्मानित किया जायेगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आप अपने व्यापार में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव करने से पहले मार्केट का एनालिसिस जरूर करें। इस राशि के थोक विक्रेताओं को आज किसी कंपनी से बड़ा ऑर्डर मिलने की संभावना बन रही हैं।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप अपने पुराने कामों में आगे बढ़ते हुए , नए कार्यों का भी शेड्यूल बनायेंगे। आज समाज से जुड़े कार्यों को करने के लिए दिन उत्तम है , आप किसी एनजीओ की शुरुआत या किसी सामाजिक संगठन से भी जुड़ सकते हैं।

मीन राशि :आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप रियल स्टेट में निवेश करने का मन बनायेंगे और किसी बड़े ग्रुप के साथ जुड़कर काम करेंगे। आज आप बच्चों के भविष्य को लेकर कोई योजना बनाएंगे , जिसके माध्यम से उनके करियर में तरक्की होगी। आज आप किसी धार्मिक अनुष्ठान का हिस्सा बन सकते हैं, जिससे आपका मन शांत होगा।

राजधर्म में से धर्म निकल गया बचा सिर्फ राज

हरिशंकर व्यास

भारतीय जनता पार्टी अपने को पार्टी विद डिफरेंस कहती थी। पहले उसकी वेबसाइट खोलने पर यह लाइन लिखी होती थी। अब इस लाइन को भी हटा दिया गया है। अब वेबसाइट खोलने पर पहले पेज पर लिखा होता है, वेलकम टू द वर्ल्ड्स लार्जेस्ट पोलिटिकल पार्टी। याद करें 1980 में भाजपा को क्या बनाया गया था। छह अप्रैल 1980 को पार्टी की स्थापना के दिन तब के बॉम्बे में पहले अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा था, 'हम संघ के संस्कारों से निकले स्वंयसेवक हैं और हमारी पार्टी कोई दुकान नहीं है, जिसमें कोई भी बेधड़क चला आए। जो व्यक्ति संघ की शाखाओं से निकला हो और दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद को अपना मूल मंत्र मानता हो, वही हमारी पार्टी में रह सकता है। भाजपा पार्टी नहीं एक विचार है इसलिए इसके दरवाजे सबके लिए नहीं खुल सकते। आज हमने जिस भारतीय जनता पार्टी को जन्म दिया है, इस पार्टी के सभी नेता अपने चाल, चेहरे और चरित्र से पहचाने जाएंगे'।

अटल बिहारी वाजपेयी के भाषण का यह अंश क्या अर्थ लिए हुए है? साफ है 1980 में जो भाजपा बनी थी वह जिस विचार, संकल्प पर बनी थी, उसका आज की, 2026 की भाजपा का कोई लेना देना नहीं है। वाजपेयी और दीनदयाल उपाध्याय की चर्चा जरूर होती है लेकिन उनके विचारों का सम्मान नहीं होता है। अगर भाजपा पदाधिकारियों की नई टीम को ही देखें तो दिखाई देगा कि कितने ही लोग, जिनका संघ या भाजपा की विचारधारा से कोई संबंध नहीं है और एक समय भाजपा व संघ के विरोधी रहे हैं वे बड़े बड़े पदों पर हैं। उपाध्यक्षों में कम से कम तीन नेता ऐसे हैं, जो पहले भाजपा विरोधी पार्टियों में रहे हैं। बैजयंत जय पांडा, डी पुरंदेश्वरी और मनप्रीत सिंह बादल दूसरी पार्टियों से आए हैं। सचिवों में संदीप पाठक, अनिल एंटनी और रोहन गुप्ता दूसरी पार्टियों से आए हैं।

ऐसा नहीं है कि दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनने की होड़ में भाजपा सिर्फ बाहरी नेताओं को संगठन में भर रही है। वह ऐसे नेताओं को भी अपनी सरकार और संगठन का हिस्सा बना रही है, जिनके ऊपर खुद भाजपा के नेताओं ने गंभीर आरोप लगाए थे।

जिन नेताओं के ऊपर भाजपा ने भ्रष्टाचार और देशद्रोह तक के आरोप लगाए थे उनको भी पार्टी में लेने या उनसे भी गठजोड़ करने में मोदी-शाह की भाजपा ने संकोच नहीं किया। भाजपा के नेता मुफ्ती मोहम्मद सईद और महबूबा मुफ्ती पर आतंकवादियों से मिले होने के आरोप लगाते थे। लेकिन दोनों को समर्थन देकर भाजपा ने मुख्यमंत्री बनाया। ऐसे ही हिमंत बिस्वा सरमा से लेकर शुभेंदु अधिकारी तक कई नेताओं के ऊपर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए और उन्हे फिर अपनी पार्टी में लाकर मुख्यमंत्री बनाया। अजित पवार को जेल भेजने की कसमें भाजपा के शीर्ष नेता खाते थे और उनको अपने गठबंधन में लाकर उप मुख्यमंत्री बनाया गया। ऐसी अनगिनत मिसाले हैं।

हमारे पास सब कुछ है, बस एक-दूसरे के लिए वक्त कम है

कृति आरके जैन

हर दौर अपनी तरक्की के साथ एक सवाल भी छोड़ जाता है—क्या आगे बढ़ते-बढ़ते हम भीतर से पीछे तो नहीं रह गए? तकनीक और भौतिक उपलब्धियाँ जीवन को आसान बना सकती हैं, लेकिन जीवन की सार्थकता तब है, जब हम अपने अस्तित्व की सीमाएँ लांघकर दूसरों के जीवन से जुड़ें। सहानुभूति कमजोरी नहीं, बल्कि मानवीय रिश्तों को थामे रखने वाली ताकत है। किसी अनजान की आँखों में छिपा दर्द देख पाना, किसी दूसरे के दु:ख को महसूस कर पाना—यहीं से मनुष्यता जीवंत होती है। तकनीक हमें सक्षम और संपत्ति हमें सम्पन्न बना सकती है, मगर इंसान होने की पूर्णता तभी मिलती है, जब किसी और की पीड़ा हमारे भीतर संवेदना जगा सके।आज की विडंबना है कि कदम तेज हुए हैं, मगर ठहरकर किसी को महसूस करने की फुर्सत कम हो गई है। प्रतिस्पर्धा ने दृष्टि को इतना अपने तक सीमित कर दिया है कि सामने का दु:ख भी भीतर दस्तक नहीं दे पाता। विचारशीलता दिखावटी संवेदना नहीं, बल्कि उन अनकहे भावों को समझने की क्षमता है, जिन्हें शब्द नहीं मिलते। किसी अजनबी की आँखों में चिंता पहचानना, थके हाथ को सहारा देना, किसी अकेले के पास कुछ देर ठहरना—ये छोटे लगने वाले प्रयास ही समाज को जोड़ते हैं। यदि हर व्यक्ति रोज ऐसा कोई काम करे, जो किसी दूसरे की मुश्किल कम कर दे, तो नकारात्मकता का अंधेरा धीरे-धीरे छंटने लगेगा।समाज की मजबूत नींव कानून से पहले आपसी समझ पर टिकी होती है। परिवार से लेकर अपरिचित व्यक्ति तक हर रिश्ता तब जीवित रहता है, जब दूसरे की स्थिति समझने की इच्छा बनी रहे। समझ खत्म होते ही संवाद की जगह कठोरता और अपनत्व की जगह दूरी ले लेती है। परिवर्तन हमेशा बड़े आंदोलनों से नहीं आता; रोजमर्रा की दया, विनम्रता, क्षमा और सहयोग की आदतें भी दूर तक असर डालती हैं। तनाव के बीच प्रेम और अलगाव के बीच एकता का बीज बोना ही सामाजिक जिम्मेदारी है। शक्ति का असली प्रमाण यह नहीं कि हम कितना हासिल कर सकते हैं, बल्कि यह है कि किसी दूसरे का बोझ कितना हल्का कर सकते हैं। सभ्यता की पहचान संसाधनों से कम और संवेदनशीलता से अधिक होती है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

रविवार 30 अगस्त 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

बाबा बकाला साहिब के रखड़ पुण्या मेले में निहंग की हत्या, सीने में गोलियों के निशान; सिविल अस्पताल के पीछे मिला शव

बाबा बकाला (आरएनएस)। बाबा बकाला साहिब में चल रहे रखड़ पुण्या मेले के दौरान शुक्रवार देर रात एक निहंग की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान गांव मिगलानी निवासी राजा सिंह के रूप में हुई है। राजा सिंह निहंग सिंह के वेश में मेले में पहुंचे थे। वारदात के बाद उनका शव बाबा बकाला सिविल अस्पताल के पीछे एक सुनसान इलाके से बरामद हुआ।

शव की जांच के दौरान सीने पर गोलियों के कई निशान मिले हैं। इससे आशंका जताई जा रही है कि हमलावरों ने राजा सिंह पर बेहद नजदीक से फायरिंग की। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके। घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य भी जुटाए गए हैं। पुलिस ने हत्या के संदिग्धों की तलाश और उनकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं।

प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि मेले के दौरान या इसके बाद किसी पुराने विवाद अथवा रंजिश के चलते राजा सिंह को निशाना बनाया गया हो सकता है। हालांकि, हत्या की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही वारदात के पीछे की पूरी कहानी सामने आएगी।पुलिस मृतक के परिवार के सदस्यों के बयान दर्ज कर रही है। इसके अलावा राजा सिंह के संपर्क में रहने वाले लोगों और संभावित संदिग्धों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज, घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और परिजनों के बयानों के आधार पर हत्या की जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने दी देशवासियों को शुभकामनाएं

नई दिल्ली, (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर देश के सभी खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का समर्पण, जुनून और दृढ़ संकल्प पूरे राष्ट्र को गौरवान्वित करता है। प्रधानमंत्री ने महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद की असाधारण प्रतिभा और भारतीय हॉकी में उनका योगदान आज भी देश की कई पीढ़ियों को प्रेरित कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सामाजिक माध्यम 'एक्स' पर संदेश साझा करते हुए देश के सभी खेल प्रेमियों को राष्ट्रीय खेल दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि उनका समर्पण, जुनून और दृढ़ संकल्प हर भारतीय को गर्व महसूस कराता है। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद की प्रतिभा और खेल के क्षेत्र में उनका योगदान हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहेगा। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री का संदेश देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मोदीनगर में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, एक के पैर में लगी गोली, दूसरा गिरफ्तार

गाजियाबाद, (आरएनएस)। गाजियाबाद के मोदीनगर थाना क्षेत्र में चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई, जबकि उसके दूसरे साथी को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। दोनों बदमाशों पर मोदीनगर क्षेत्र में बीते दिनों एक महिला से हुई लूट की वारदात में शामिल होने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, मोदीनगर इलाके में पुलिस टीम नियमित रूप से वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध युवक पुलिस को आते दिखाई दिए। पुलिसकर्मियों ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन दोनों युवक बाइक को दूसरी दिशा में भगाने लगे। पुलिस ने उनका पीछा किया। भागते समय उनकी मोटरसाइकिल खड़ंजे पर पड़ी ईंटों के कारण असंतुलित होकर फिसल गई। इसके बाद, दोनों बदमाशों ने पुलिस टीम पर 315 बोर के तमंचे से गोली चला दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की। इस दौरान, पुलिस की एक गोली एक बदमाश के पैर में लग गई।

पुलिस ने मौके से दोनों आरोपियों को दबोच लिया। घायल बदमाश को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूछताछ में घायल आरोपी ने अपना नाम फारूक बताया, जबकि उसके साथी का नाम कासिम बताया गया है। पुलिस के अनुसार, दोनों मेरठ के रहने वाले हैं।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से महिला से लूटे गए पीली धातु के कुंडल बरामद किए हैं। इसके अलावा एक 315 बोर का तमंचा, कारतूस और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। बरामदगी के बाद पुलिस दोनों आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड और अन्य वारदातों में उनकी संभावित संलिप्तता की जानकारी जुटा रही है।

तखतपुर में दर्दनाक सड़क हादसा, ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार 3 युवकों की मौत

बिलासपुर/तखतपुर,(आरएनएस)। बिलासपुर जिले के तखतपुर क्षेत्र में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई। हादसा जुनापारा चौकी क्षेत्र में हुआ, जहां तेज रफ्तार ट्रक ने एक ही बाइक पर सवार तीन युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, तीनों युवक बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आए ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवकों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही जुनापारा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।पुलिस ने तीनों शवों को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी है। आसपास के CCTV फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि ट्रक और चालक की पहचान कर उसे पकड़ा जा सके।

दुश्मन के टैंकों के उड़ेंगे परखच्चे, भारत खरीदेगा अमेरिका की घातक 'जैवलिन' एंटी-टैंक मिसाइल

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सीमाओं पर मिल रही चुनौतियों के बीच भारतीय सेना की मारक क्षमता में जल्द ही एक जबरदस्त इजाफा होने वाला है। भारत और अमेरिका के बीच रक्षा संबंधों की मजबूती को नई ऊंचाई देते हुए एक बेहद अहम डील पर बात आगे बढ़ रही है। भारत अब युद्ध के मैदान में अपना लोहा मनवा चुके अमेरिकी 'जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल सिस्टम' को खरीदने की तैयारी कर रहा है। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने इस डील को लेकर बड़ा ऐलान करते हुए इसे दोनों देशों के रिश्तों में एक ऐतिहासिक कदम बताया है। सबसे खास बात यह है कि इस समझौते के बाद भविष्य में इस घातक हथियार का निर्माण भारत में ही (सह-उत्पादन) किए जाने की संभावनाएं भी प्रबल हो गई हैं।

एक अकेला सैनिक बन जाएगा टैंकों का काल

जैवलिन अमेरिका का एक बेहद अत्याधुनिक 'मैन-पोर्टेबल' और 'फायर-एंड-फॉरगेट' (दागो और भूल जाओ) एंटी-टैंक हथियार है। इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि एक अकेला सैनिक भी इसे आसानी से लॉन्च कर सकता है। लॉकहीड मार्टिन और रेथियॉन के जॉइंट वेंचर द्वारा बनाई गई इस मिसाइल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे दागने के बाद ऑपरेटर को लक्ष्य पर निशाना साधे रखने की कोई जरूरत नहीं होती।

मिसाइल खुद टारगेट को ट्रैक करती है, जिससे सैनिक को तुरंत अपनी लोकेशन बदलकर छिपने का मौका मिल जाता है। यह मिसाइल 'टॉप-अटैक मोड' पर काम करती है, यानी यह टैंक के मजबूत अगले हिस्से से टकराने के बजाय सीधे उसके कमजोर ऊपरी हिस्से (छत) पर अचूक वार करती है।

4 किलोमीटर की रेंज, हर मौसम में अचूक वार

युद्ध के मैदान में जैवलिन की घातकता का ट्रैक रिकॉर्ड बहुत खौफनाक रहा है। निर्माता कंपनियों के आंकड़ों के मुताबिक, यूक्रेन संघर्ष से पहले ही दुनिया के विभिन्न युद्धक्षेत्रों में इसे 5000 से ज्यादा बार सफलतापूर्वक दागा जा चुका है। 65 मीटर से लेकर 4 किलोमीटर तक की रेंज में मार करने वाली यह मिसाइल दिन हो या रात, हर तरह के मौसम में काम करने में पूरी तरह सक्षम है। इसमें मौजूद 'इमेजिंग-इन्फ्रारेड सीकर' और 'टैंडम वॉरहेड' तकनीक इसे दुनिया के सबसे आधुनिक और मजबूत बख्तरबंद वाहनों के खिलाफ भी एक अजेय हथियार बनाती है।

मेक इन इंडिया को मिलेगी नई उड़ान

जैवलिन को भारतीय बेड़े में शामिल करने की यह प्रक्रिया पूरी तरह नई नहीं है। पिछले साल नवंबर 2025 में ही अमेरिका ने भारत के लिए 100 जैवलिन सिस्टम और 25 लॉन्च यूनिट्स की संभावित बिक्री को हरी झंडी दे दी थी। यह पूरा हथियार पैकेज एक्सकैलिबर आर्टिलरी म्यूनिशन के साथ करीब 93 मिलियन डॉलर का था। हाल ही में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने भी दोनों देशों के बीच रक्षा उद्योगों के संयुक्त उत्पादन को बढ़ाने पर जोर दिया था।भारत के लिए यह सौदा रणनीतिक रूप से इसलिए भी अहम है क्योंकि इससे न सिर्फ पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में सेना की एंटी-आर्मर क्षमता अजेय हो जाएगी, बल्कि भविष्य में इसके 'को-प्रोडक्शन' से भारतीय रक्षा उद्योग में अमेरिकी तकनीक के आने का रास्ता भी साफ हो जाएगा।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में जॉर्ज टाउन इलाके में एक मंदिर का हिस्सा ढहने के बाद मलबा पड़ा हुआ है।

11 हजार रुपए के नाम पर महिलाओं को थमाया 1100 का लिफाफा, राजभर ने अखिलेश पर लगाया राखी घोटाले का आरोप

लखनऊ,(आरएनएस)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर रक्षाबंधन के मौके पर आयोजित लिफाफा वितरण कार्यक्रम को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने अखिलेश यादव पर महिलाओं के साथ धोखा करने का आरोप लगाते हुए इसे राखी घोटाला करार दिया। राजभर ने कहा कि 11-11 हजार रुपए देने के नाम पर महिलाओं को बुलाया गया, लेकिन कथित तौर पर उन्हें केवल 1100 रुपएके लिफाफे थमा दिए गए। ओपी राजभर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि सत्ता में रहें या न रहें, उनकी आदतें नहीं बदलतीं। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव के कार्यालय में हुए लिफाफा वितरण कार्यक्रम में महिलाओं को 11 हजार रुपए देने की बात कहकर बुलाया गया था, लेकिन बाद में उन्हें कम राशि वाले लिफाफे दिए गए।राजभर ने लिखा, अखिलेश जी, एक कहावत है कि लोगों का स्टेटस भले बदल जाए, लेकिन आदत नहीं बदल सकती। आप लोग सत्ता में रहें या न रहें, अपने खटकरमों से बाज नहीं आते। इस बार कुछ नहीं मिला तो राखी घोटाला करके बैठ गए? अरे कम से कम बहनों का मन और मान रख लिए होते। वैसे कंसवादियों से रक्षाबंधन जैसे पवित्र त्योहार पर मर्यादित आचरण की उम्मीद करना बेवकूफी ही है।उन्होंने कहा कि दो दिन पहले अखिलेश ने अपने दफ्तर में आप खूब धूम-धड़ाके के साथ लिफाफा वितरण समारोह कराया, जिसमें 11-11 हजार रुपए का प्रलोभन देकर पहले तो महिलाओं को बुलाया, लेकिन पहुंची केवल बुर्कानशीं खवातीनें। राजभर ने कहा, अब मालूम चल रहा है कि आप लोगों ने उन खवातीनों को भी 10-10 हजार रुपए का चूना लगा दिया।

भारत के अंदर मलाला का कोई स्थान नहीं', अहमदाबाद में किताब पढ़ाए जाने पर स्वामी दर्शन भारती ने की निंदा

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। अहमदाबाद के स्कूल में पाकिस्तानी मूल की मलाला यूसुफजई की किताब पढ़ाए जाने पर देवभूमि रक्षा अभियान के संस्थापक और प्रमुख स्वामी दर्शन भारती ने निंदा की है। उन्होंने कहा कि भारत के अंदर मलाला का कोई स्थान नहीं है। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के चेयरमैन शादाब शम्स ने भी इस विवाद पर प्रतिक्रिया दी है।

देवभूमि रक्षा अभियान के संस्थापक और प्रमुख स्वामी दर्शन भारती ने मलाला यूसुफजई को 'धर्म विरोधी' बताया। उन्होंने अहमदाबाद में बच्चों को मलाला यूसुफजई की किताब पढ़ाए जाने की निंदा करते हुए कहा कि एक पाकिस्तानी लड़की को किताबों के जरिए हमारे देश के सामने प्रस्तुत करने का प्रयास किया जा रहा है, जो निंदनीय है।

उन्होंने सवाल किया कि मलाला जिस देश (पाकिस्तान) से वह आती है, वहां की किताबों और धर्म में उसे शामिल किया जाए। स्वामी दर्शन भारती ने कहा कि मलाला के नाम पर हमारे देश में आने वाले समय के लिए कोई साजिश रची जा रही है।

उन्होंने कहा, मैं मलाला नाम की लड़की का विरोध बिल्कुल नहीं करूंगा, लेकिन मैं निश्चित रूप से चाहूंगा कि हमारे देश की किताबों में मलाला का नाम कहीं न आए, क्योंकि यह हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए बहुत नुकसानदायक होगा।

उन्होंने कहा कि हम लोग सनातन और हिंदू राष्ट्र के लिए काम कर रहे हैं। हमारे धर्म के आधार पर भारत के अंदर मलाला का कोई स्थान नहीं है। स्वामी दर्शन भारती ने युवाओं को आह्वान करते हुए कहा कि 'हिंदू राष्ट्र' आपकी राह देख रहा है।

उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के चेयरमैन शादाब शम्स ने कहा, अहमदाबाद में मलाला यूसुफजई की किताब को लेकर जिस तरह विवाद और विरोध हो रहा है, कुछ लोग इसका समर्थन कर रहे हैं तो कुछ विरोध।

सज्जन कुमार के निधन पर घर पहुंचना BJP सांसदों को पड़ा भारी, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपनाया सख्त रुख

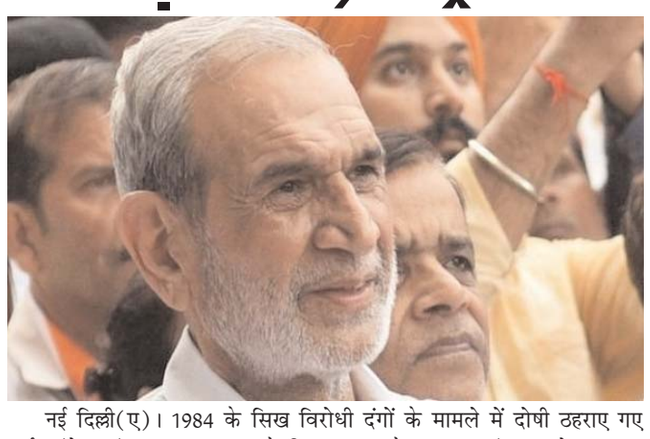

नई दिल्ली(ए)। 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में दोषी ठहराए गए पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार के निधन पर उनके आवास पहुंचकर शोक जताना भारतीय जनता पार्टी (BJP) के तीन सांसदों के लिए मुश्किल खड़ी कर गया। पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव और 1984 दंगा पीड़ितों की भावनाओं को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने मामले को गंभीरता से लिया है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने दक्षिण दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, उत्तर-पश्चिम दिल्ली के सांसद योगेंद्र चंदोलिया और पश्चिमी दिल्ली की सांसद कमलजीत सहरावत को तलब किया। बताया गया है कि पार्टी अध्यक्ष ने तीनों सांसदों को कड़ी फटकार लगाते हुए भविष्य में इस तरह की अनुशासनहीनता नहीं दोहराने की हिदायत दी।

अकाली दल ने की कड़ी कार्रवाई की मांग

इस मामले को लेकर शिरोमणि अकाली दल ने भी भाजपा सांसदों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। अकाली नेता महेशइंदर सिंह गरेवाल ने कहा कि भाजपा खुद को अनुशासित पार्टी बताती है, इसलिए ऐसे मामले में पार्टी को सख्त कदम उठाना चाहिए।गरेवाल के मुताबिक, 1984 के दंगों में मारे गए निर्दोष सिखों के परिवारों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए उन नेताओं के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, जिन्होंने सज्जन कुमार के आवास पर जाकर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने तीनों सांसदों को पार्टी से निलंबित करने की मांग भी की। दरअसल, 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में दोषी ठहराए गए पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार तिहाड़ जेल में सजा काट रहे थे। उनके निधन के बाद कांग्रेस नेताओं की ओर से श्रद्धांजलि दिए जाने को लेकर भाजपा की पंजाब और केंद्रीय इकाई ने सवाल उठाए थे। इसी बीच भाजपा के तीन सांसद कथित तौर पर पार्टी नेतृत्व को सूचना दिए बिना और पूर्व अनुमति लिए बिना अपनी व्यक्तिगत क्षमता में सज्जन कुमार के आवास पर पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद मामला पार्टी नेतृत्व तक पहुंचा और तीनों सांसदों को जवाब देने के लिए तलब किया गया।

नेपाल की भीषण त्रासदी में पूर्वी चंपारण के एक ही परिवार के 5 लोग लापता, गांव में पसरा मातम

मोतिहारी ,(आरएनएस)। नेपाल में भीषण त्रासदी के बाद बिहार के पूर्वी चंपारण में भी मातम छाया है। आदापुर के लाला छपरा गांव के बुधन शाह का परिवार अभी तक लापता है। फिलहाल, परिजन नेपाल में फंसे अपने परिवार के सदस्यों की सलामती की खबर का इंतजार कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, लाला छपरा गांव निवासी बुधन शाह का परिवार पिछले करीब चार वर्षों से नेपाल में रहकर कबाड़ खरीदने और मजदूरी का काम करता था। हादसे के दौरान बुधन शाह और उनके दो बेटे सुरक्षित बताए जा रहे हैं, लेकिन मकान में मौजूद उनकी पत्नी मानती देवी, तीन बेटियां संध्या, आशा और रूपा और दो वर्षीय नातिन आयुषी बाढ़ के तेज बहाव में बहकर लापता हो गईं। बताया जा रहा है कि संध्या अपनी दो वर्षीय बच्ची आयुषी के साथ अपनी मां से मिलने पहुंची थीं। इसी दौरान नेपाल में आई भीषण बाढ़ ने तबाही मचा दी और परिवार के पांच सदस्य तेज पानी की चपेट में आकर लापता हो गए।

रेल में पेंट्री कार का खाना खाते ही बिगड़ी 30 बच्चों की तबीयत, ट्रेन रोककर कराया इलाज

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली से केरल जा रही मंगला एक्सप्रेस में शुक्रवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब ट्रेन में सफर कर रहे करीब 30 स्कूली बच्चों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। बच्चों को उल्टी, दस्त और बुखार की शिकायत होने लगी, जिसमें पांच की हालत गंभीर बताई गई। सूचना मिलते ही ट्रेन को खंडवा स्टेशन पर करीब 50 मिनट रोककर सभी बच्चों का इलाज कराया गया।जानकारी के अनुसार, हजरत निजामुद्दीन से एर्नाकुलम जा रही ट्रेन नंबर 12618 मंगला एक्सप्रेस में त्रिचूर के हैप्पी कॉन्वेंट स्कूल के 30 छात्र-छात्राएं सवार थे। सभी बच्चे दिल्ली में शैक्षणिक भ्रमण के बाद वापस केरल लौट रहे थे। इसी दौरान चलती ट्रेन में अचानक बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी। कुछ ही देर में 30 में से पांच बच्चों की हालत ज्यादा खराब हो गई। बच्चों की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन और जिला प्रशासन सक्रिय हो गया। ट्रेन के खंडवा स्टेशन पहुंचते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम और डॉक्टर मौके पर पहुंच गए। ट्रेन को करीब 50 मिनट रोककर सभी बच्चों की स्वास्थ्य जांच की गई और आवश्यक उपचार दिया गया।खंडवा के सीएमएचओ डॉ. ओपी जुगतावत ने बताया कि बच्चों ने दोपहर में ट्रेन की पैंट्री कार से भोजन किया था। करीब चार घंटे बाद उन्हें उल्टी और दस्त की शिकायत शुरू हुई। ऐसे में आशंका है

कि भोजन से फूड पॉइजनिंग होने के कारण बच्चों की तबीयत बिगड़ी।सभी बच्चों को उल्टी-दस्त की दवाएं और ओआरएस के पैकेट दिए गए। डॉक्टरों ने दो बार जांच करने के बाद बच्चों को आगे की यात्रा के लिए रवाना कर दिया। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए रेलवे के डॉक्टरों की एक टीम को एहतियात के तौर पर उनके साथ ट्रेन में भुसावल तक भेजा गया है, ताकि रास्ते में किसी बच्चे की तबीयत दोबारा बिगड़ने पर तत्काल उपचार दिया जा सके।

घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम ऋषि सिंघाई, सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर सिंह, सीएसपी अभिनव बारंगे, सिविल सर्जन अनिरुद्ध कौशल समेत जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी खंडवा स्टेशन पहुंचे। अधिकारियों की मौजूदगी में सभी बच्चों की जांच और उपचार के बाद ट्रेन को अगले स्टेशन के लिए रवाना किया गया।

दिल्ली-एनसीआर में स्वाइन फ्लू का बढ़ता प्रकोप, अस्पतालों के लिए इमरजेंसी एडवाइजरी जारी

दिल्ली ,,(आरएनएस)। गौतमबुद्ध नगर में मौसम में बदलाव के साथ मौसमी बीमारियों का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। जिले में स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। स्वास्थ्य विभाग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक जिले में अब तक स्वाइन फ्लू के कुल 192 मरीज सामने आ चुके हैं। मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों के लिए इमरजेंसी एडवाइजरी जारी की है। वहीं, जिले में डेंगू के मामलों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है और अब तक 48 मरीजों में डेंगू की पुष्टि हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों को निर्देश दिया है कि स्वाइन फ्लू और डेंगू के संदिग्ध मरीजों की पहचान को लेकर विशेष सतर्कता बरती जाए। अस्पतालों में आने वाले ऐसे मरीज, जिनमें तेज बुखार, खांसी, गले में खराश, सांस लेने में परेशानी, बदन दर्द या अत्यधिक कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं, तो उनकी चिकित्सकीय जांच प्राथमिकता के आधार पर की जाए।

दिल्ली में ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा, पिता ने दोस्त के साथ मिलकर की अपने ही बेटे की हत्या

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस ने एक ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा किया है। पुलिस ने एक 64 वर्षीय व्यक्ति और उसके साथी को गिरफ्तार किया है। इन पर एक 38 वर्षीय व्यक्ति की हत्या का आरोप है। आरोपियों की पहचान 64 वर्षीय तालुकदार अंसारी और 49 वर्षीय मोहम्मद वसीम उर्फ अकरम के तौर पर हुई है। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित गुल हसन को डॉक्टर के पास ले जाने के बहाने एक सुनसान कंटेनर में ले जाया गया, जहां उसके साथ मारपीट की गई और गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, 23 अगस्त को शाम करीब 7:13 बजे एक अज्ञात शव के बारे में सूचना मिली। शव कालिंदी कुंज पुलिस स्टेशन के इलाके में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से करीब 500 मीटर पूर्व और कच्ची कॉलोनी, गली नंबर 1 के पास एनटीपीसी दीवार के नजदीक एक सुनसान कंटेनर में मिला, जिसे स्थानीय लोग बबलू का कंटेनर कहते हैं। सूचना मिलने के बाद, कालिंदी कुंज थाने के एसएचओ पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। वरिष्ठ अधिकारियों ने भी घटनास्थल का दौरा किया और हालात का जायजा लिया। पीड़ित कंटेनर के अंदर पड़ा मिला और उसके सिर पर चोट का निशान था। शव के पास से खून के धब्बों वाला एक कंक्रीट का ब्लॉक भी बरामद किया गया। शुरुआती जांच के दौरान, पुलिस ने पीड़ित के सिर के बाईं ओर कनपटी पर चोट देखी। यह चोट मौके पर मिले खून लगे कंक्रीट ब्लॉक से लगी हो सकती है। चूंकि मृतक की पहचान तुरंत नहीं हो पाई थी, इसलिए पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए, पीड़ित की पहचान करने और अपराध के लिए जिम्मेदार लोगों का पता लगाने के लिए चार टीमें बनाई गईं।

रूस का यूक्रेन पर बड़ा हमला, 27 लोगों की मौत और 47 घायल

कीव,(आरएनएस)। रूस ने यूक्रेन पर फिर बड़ा हमला किया है। रूसी ड्रोन और मिसाइलों ने रातभर कीव क्षेत्र पर हमले किए हैं, जिनमें कम से कम 27 लोग मारे गए हैं और 40 से ज्यादा घायल हुए हैं। कीव के गवर्नर तैमूर टकाचेंको ने बताया कि बुचा जिले में 380 से अधिक लोगों को निकाला जा रहा है। रूस ने यूक्रेन के ओडेसा, निप्रो, कीव, जापोरिज्जिया, सुमी, खेरसॉन, खार्किव, मायकोलाइव, डोनेट्स्क और चेर्निहाइव इलाकों को निशाना बनाया है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की ने बताया कि माइला गांव में रूसी ड्रोन हमले के बाद 300 से ज्यादा कर्मचारी बचाव अभियान में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि एक गोदाम पर हमला हुआ है, जिससे आसपास की इमारतों को काफी नुकसान पहुंचा है।

उन्होंने कहा, कीव पर ड्रोन से लगभग लगातार हमले हो रहे हैं। ऐसे हमलों से बचाव के उपाय खोजने में यूक्रेन को अकेला नहीं छोड़ा जा सकता।

क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख टकाचेंको ने बताया कि रात भर चले हमले में कम से कम 50 आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं और भीषण आग कई घरों और एक रेस्तरां तक फैल गई।

वहीं, रूस द्वारा गोला-बारूद के भंडार को निशाना बनाए जाने की खबरों पर जेलेंस्की ने कहा कि अधिकारियों ने कथित सरकारी लापरवाही के आरोप में आपराधिक कार्यवाही शुरू कर दी है और आवासीय क्षेत्रों के पास गोला-बारूद का भंडारण नहीं किया जाना चाहिए था।

नेपाल बाढ़ से बचने के लिए 8 वर्षीय मासूम पेड़ पर चढ़ा, अब मां से हुई मुलाकात

काठमाण्डू,(आरएनएस)। नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के बाद राहत और बचाव अभियान के बीच अब मानवीय कहानियां निकलकर सामने आ रही हैं। ऐसी ही एक कहानी 8 साल के मासूम जोयल घाले की है, जो बाढ़ से बचने के लिए पेड़ पर चढ़ गया था। अब जोयल को अपनी मां से मिला दिया गया है। बचावकर्मियों ने बीते दिन उसे एयरलिफ्ट कर सुरक्षित तरीके से अस्पताल पहुंचाया। जोयल को पैर में चोटे आई हैं, लेकिन वो अब अपनी मां के साथ है। जोयल नेपाल के उत्तरी रासुवा जिले का रहने वाला है। बुधवार सुबह वह अपने भाई के साथ स्कूल गया था, तभी अचानक बाढ़ आ गई। बचने के लिए जोयल जंगलों में भाग गया और पेड़ पर चढ़ गया। शुक्रवार को जोयल को एयरलिफ्ट कर काठमांडू के अस्पताल में ले जाया गया।दूसरी ओर, जोयल की मां अपने दोनों बच्चों की तलाश में जगह-जगह भटक रही थी। उन्होंने मान लिया था कि उनके बेटे बाढ़ में बह गए होंगे।पहले जोयल को नुवाकोट जिले के एक अस्पताल में ले जाया गया था। यहां एक पत्रकार ने उनसे मुलाकात की और वीडियो बनाकर अपना मोबाइल नंबर भी साथ में जारी किया।

वेनेजुएला के तेल भंडार पर अमेरिका को मिला नियंत्रण, ट्रंप बोले-ये इतिहास का सबसे बड़ा सौदा

वाशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के साथ बड़े तेल समझौते की घोषणा की है। ट्रंप ने इसे विश्व इतिहास का सबसे बड़ा तेल सौदा बताते हुए दावा किया कि इससे अमेरिका वेनेजुएला के 65 अरब बैरल से अधिक सिद्ध तेल भंडार पर बहुमत नियंत्रण हासिल कर लेगा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि इस समझौते से वेनेजुएला में लगभग 100 अरब डॉलर का निजी निवेश आ सकता है।

ट्रंप के मुताबिक, यह समझौता अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज के बीच बातचीत के बाद हुआ था। ट्रंप ने इसे दुनिया का सबसे बड़ा तेल समझौता करार दिया है।उन्होंने कहा, संयुक्त राज्य अमेरिका ने अभी-अभी वेनेजुएला देश के साथ एक समझौता किया है, जो दुनिया के इतिहास का सबसे बड़ा तेल समझौता है। वहीं, रोड्रिगेज ने कहा कि यह समझौता राष्ट्र के पुनरुद्धार पर महत्वपूर्ण असर डालेगा। रोड्रिगेज सरकार ने कहा कि इस समझौते में 65 अरब बैरल की सिद्ध क्षमता वाले 17 तेल क्षेत्रों का विकास शामिल है। इस समझौते से वेनेजुएला के तेल उद्योग में 9.54 लाख करोड़ रुपये का निवेश आ सकता है और काराकास

को टैक्स के रूप में 19 लाख करोड़ रुपये की आय हो सकती है। समझौते के तहत, अमेरिका वेनेजुएला में एक अज्ञात निजी ऑपरेटर के साथ साझेदारी करके एक नई निजी कंपनी बनाएगा जो भंडार का प्रबंधन करेगी। समझौते की रूपरेखा से परिचित एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि रोड्रिगेज ने कंपनी को तेल क्षेत्रों को विकसित करने के लिए 100 साल के अधिकार दिए हैं।इस समझौते के तहत, अमेरिका को नई निजी कंपनी के प्रभावी उत्पादन का 55 प्रतिशत हिस्सा मिलेगा, जिसमें स्वामित्व हिस्सेदारी और लागत मूल्य पर तेल खरीदने का अधिकार शामिल है। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद यह कंपनी सऊदी अरामको के बाद सिद्ध भंडार रखने वाली दूसरी सबसे बड़ी कॉर्पोरेट कंपनी होगी।ट्रंप ने कहा, इस समझौते के लिए अमेरिकी टैक्सपेयर की जेब से एक पैसा भी खर्च नहीं हुआ। इस ऐतिहासिक समझौते से अमेरिका का तेल भंडार दोगुने से भी ज्यादा हो जाएगा, हमारी तेल सप्लाई बहुत बढ़ जाएगी और भविष्य में लंबे समय तक सभी अमेरिकियों के लिए गैस की कीमतें काफी कम हो जाएंगी। साथ ही, इससे वेनेजुएला को जबरदस्त सफलता और बड़ी समृद्धि की राह पर आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

अमेरिका से बढ़ते तनाव के बीच ईरान का बड़ा आर्थिक फैसला, अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता घटाने की तैयारी

तेहरान, (आरएनएस)। अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव और आर्थिक दबाव के बीच ईरान ने अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने की दिशा में कदम बढ़ाने के संकेत दिए हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने घरेलू उत्पादन बढ़ाने, निवेश को प्रोत्साहित करने और ऐसी अर्थव्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया है, जो बाहरी दबाव और प्रतिबंधों के बावजूद मजबूती से चल सके।

मोजतबा खामेनेई ने कहा कि ईरान को अपनी आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए अधिक से अधिक घरेलू उत्पादन पर निर्भर होना चाहिए। जिन वस्तुओं का देश में पर्याप्त उत्पादन नहीं होता, उनका जरूरत के अनुसार समझदारी से आयात किया जाना चाहिए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय लेन-देन में अमेरिकी डॉलर की भूमिका को धीरे-धीरे कम करने पर भी जोर दिया। उन्होंने इसे 'प्रतिरोध अर्थव्यवस्था' की नीति का हिस्सा बताया। इस नीति का उद्देश्य ऐसी आत्मनिर्भर आर्थिक व्यवस्था तैयार करना है, जो विदेशी दबाव, प्रतिबंधों और आर्थिक चुनौतियों के बीच भी लंबे समय तक स्थिर बनी रहे।

ईरानी सर्वोच्च नेता ने देश में महंगाई, बेरोजगारी और बढ़ती कीमतों जैसी आर्थिक समस्याओं से निपटने की जरूरत बताई। उन्होंने निवेश बढ़ाने और उसे उत्पादन तथा आर्थिक विकास के लिए जरूरी क्षेत्रों में लगाने पर जोर दिया।

उनका कहना है कि घरेलू उत्पादन में वृद्धि से देश की आर्थिक आत्मनिर्भरता मजबूत होगी और विदेशी मुद्रा पर निर्भरता कम की जा सकेगी। उन्होंने अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता को धीरे-धीरे कम करने को ईरान की आर्थिक नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया।

मानवाधिकार पश्चिमी देशों के हाथों में राजनीतिक हथियार बन गए हैं : अब्बास अराघची

तेहरान,(आरएनएस)। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने पश्चिमी देशों पर मानवाधिकारों के मुद्दे को राजनीतिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों के हाथों में मानवाधिकार एक राजनीतिक हथियार बन चुके हैं और इनका इस्तेमाल अपने हितों को साधने के लिए किया जा रहा है।

ईरान सरकार की अंतरराष्ट्रीय समाचार नेटवर्क प्रेस टीवीके मुताबिक, अराघची ने ये बयान तेहरान में आयोजित 'मिनाब स्कूल' पेंटिंग प्रदर्शनी के दौरान दिया। प्रदर्शनी में गत 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ अमेरिका-इज़राइल युद्ध के पहले दिन मिनाब में एक स्कूल पर हुए हमले से जुड़ी कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं।ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि अगर दूसरे देश मानवाधिकारों के वास्तविक अर्थ को देखना और समझना चाहते हैं तो उन्हें इस प्रदर्शनी का दौरा करना चाहिए और यहां प्रदर्शित कलाकृतियों को समझना चाहिए। उन्होंने प्रदर्शनी की ओर इशारा करते हुए कहा, मानवाधिकार यहां हैं। अराघची के मुताबिक, प्रदर्शनी में मौजूद चित्र उस घटना और उसके मानवीय प्रभाव को सामने लाते हैं। अराघची ने दक्षिणी ईरान के मिनाब शहर के शजरे तैय्यबेह स्कूल पर हुए हमले का उल्लेख किया। उनके मुताबिक, जब स्कूल में 264 छात्र कक्षाओं में मौजूद थे, तब मिसाइल हमले किए गए।ईरानी विदेश मंत्री के दावे के अनुसार, इस हमले में 7-12 वर्ष की उम्र के 168 छात्र-छात्राओं और 26 शिक्षकों की मौत हुई, जबकि 96 से अधिक लोग घायल हुए। हालांकि, इन आंकड़ों और हमले की परिस्थितियों को लेकर स्वतंत्र स्रोतों से तत्काल पुष्टि उपलब्ध नहीं है। अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान ने मिनाब स्कूल के बच्चों को खो दिया, लेकिन वे ईरानी लोगों के लिए वीरता की मिसाल बन गए हैं। उन्होंने कहा, मिनाब स्कूल और उसके बच्चे ईरानी लोगों के लिए एक महागाथा बन गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान इस घटना को न तो भूलेगा और न ही इसे नजरअंदाज करेगा।उन्होंने उम्मीद जताई कि इस प्रदर्शनी को दूसरे देशों में भी ले जाया जा सकता है, बशर्ते वे इसे प्रदर्शित करने की अनुमति दें और मानवाधिकारों से जुड़े कथित अन्याय के परिणामों को देखने का साहस दिखाएं।

फीचर

फूलगोभी खाने से मिल सकते हैं ये 5 स्वास्थ्यवर्धक लाभ

फूलगोभी भारतीय खाने का एक अहम हिस्सा है। इसका उपयोग कई तरह के व्यंजनों में होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह सब्जी आपके स्वास्थ्य के लिए कितनी फायदेमंद हो सकती है? फूलगोभी में विटामिन-सी, विटामिन-के, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा होती है, जो शरीर को कई लाभ प्रदान कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि कैसे इस सब्जी को अपनी डाइट में शामिल करके स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है।

वजन घटाने में है सहायक

फूलगोभी में कम कैलोरी होती है और यह फाइबर का अच्छा स्रोत भी है, जिससे यह वजन घटाने में मदद कर सकती है। इसमें मौजूद फाइबर पाचन को सुधारता है और लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है, जिससे आप कम खाते हैं। इसके अलावा इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर की चर्बी को कम करने में भी मदद करते हैं। नियमित रूप से फूलगोभी का सेवन करने से आप अपने वजन को नियंत्रित रख सकते हैं।

दिल के स्वास्थ्य के लिए है फायदेमंद

फूलगोभी में ऐसे तत्व होते हैं, जो दिल की बीमारियों से लड़ने में मदद कर सकते हैं। ये तत्व धमनियों में सूजन को कम करते हैं और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को संतुलित रखते हैं।इसके अलावा इसमें कुछ ऐसे यौगिक होते हैं, जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं। इस प्रकार फूलगोभी का सेवन करने से दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है और दिल स्वस्थ रहता है।

पाचन को कर सकती है बेहतर

फूलगोभी में फाइबर की अधिकता होती है, जो पाचन को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाता है। यह कब्ज, गैस और अपच जैसी समस्याओं को दूर करके पाचन को स्वस्थ रखता है।

इसके अलावा इसमें कुछ ऐसे गुण होते हैं, जो आंत के अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं, जिससे आंत का स्वास्थ्य बेहतर होता है।फूलगोभी का सेवन करने से पाचन में सुधार होता है और आंत का स्वास्थ्य बेहतर रहता है।

कैंसर के खतरे को कम करने में है सहायक

फूलगोभी में कुछ ऐसे तत्व होते हैं, जो कैंसर के खतरे को कम करने में मदद कर सकते हैं। ये तत्व शरीर में मौजूद हानिकारक तत्वों को दूर करके कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोकते हैं। इसके अलावा इनमें एंटीऑक्सीडेंट्स भी होते हैं, जो हानिकारक तत्वों से लड़ते हैं और कोशिकाओं को सुरक्षित रखते हैं।हालांकि, फूलगोभी कैंसर का इलाज नहीं है। कैंसर रोगी डॉक्टरी जांच और इलाज को प्रथामिकता दें।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को कर सकती है मजबूत

फूलगोभी विटामिन-सी का अच्छा स्रोत होती है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद करता है। विटामिन-सी शरीर की सुरक्षा तंत्र को बढ़ाता है और संक्रमण से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है।इसके अलावा इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर को हानिकारक तत्वों से बचाते हैं। इस प्रकार फूलगोभी का नियमित सेवन करने से आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत रहती है और आप बीमारियों से जल्दी बचाव कर सकते हैं।

सीमाएं पार करने की कोशिश हो तो छोड़ देती हूं दृश्यः शुभांगी शर्मा

ओटीटी और बोल्ड सामग्री की दुनिया में काम करने वाली अभिनेत्री शुभांगी शर्मा ने मनोरंजन उद्योग में अपने अनुभवों को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें साझा की हैं। उन्होंने बताया कि बोल्ड दृश्यों की शूटिंग पर्दे पर जितनी सहज दिखाई देती है, वास्तविकता में कई बार कलाकारों के लिए उतनी ही असहज हो सकती है।

शुभांगी के मुताबिक, उद्योग में अधिकांश कलाकार और तकनीकी दल पेशेवर तरीके से काम करते हैं, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो बोल्ड दृश्यों की परिस्थितियों का अनुचित फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में कलाकार के लिए अपनी सीमाएं स्पष्ट रखना बेहद जरूरी है।

शुभांगी ने बताया कि उनका करियर सीधे बोल्ड सामग्री से शुरू नहीं हुआ था। वह पहले एक निजी कंपनी में नौकरी करती थीं। परिस्थितियों के कारण उन्हें मनोरंजन उद्योग में कदम रखना पड़ा। शुरुआत में यह उनके लिए आसान निर्णय नहीं था, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने इस काम के तरीके को समझा और अपने पेशे में सहज होती गईं। आज वह कई बोल्ड धारावाहिकों और वेब श्रृंखलाओं में काम कर चुकी हैं। अभिनेत्री का कहना है कि अब वह अपने काम को लेकर पहले की तुलना में अधिक आत्मविश्वास महसूस करती हैं। हालांकि, उनके अनुभव में इस उद्योग में भी अच्छे और बुरे दोनों तरह के लोग मौजूद हैं। बोल्ड दृश्यों की शूटिंग के दौरान सह-कलाकारों के व्यवहार को लेकर शुभांगी ने कहा कि हर कलाकार एक जैसा नहीं होता। कई कलाकार पूरी तरह पेशेवर रहते हैं और केवल दृश्य की जरूरत के अनुसार काम करते हैं। ऐसे कलाकार अपने साथी को सहज महसूस कराने और उसकी सीमाओं का सम्मान करने का पूरा प्रयास करते हैं। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि कुछ लोग शूटिंग के माहौल का फायदा उठाने की कोशिश भी करते हैं। कभी-कभी सह-कलाकार निर्धारित निर्देशों से हटकर व्यवहार करने लगते हैं, जिससे अभिनेत्री के लिए स्थिति असहज हो जाती है।

टॉक्सिक से पहले इन फिल्मों में अपना अभिनय कौशल चुकीं तारा सुतारिया, एक में अकेले दहाड़ीं

तारा सुतारिया अपनी हालिया रिलीज फिल्म टॉक्सिक को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें मुख्य अभिनेता यश हैं। इस एक्शन-थ्रिलर ड्रामा में उन्होंने रेबेका नाम का एक बेहद अलग और डार्क किरदार निभाया है। यह उनके फिल्म करियर की पहली पैन-इंडिया फिल्म है। तारा ने अपना करियर बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट डिज्नी के शो द सूट लाइफ ऑफ करण एंड कबीर से किया था। इसके बाद फिल्मों में पहचान बनाई। चलिए एक नजर उनके अब तक के फिल्मी सफर पर डालते हैं।तारा को बॉलीवुड की दुनिया में लाने का श्रेय फिल्म निर्माता करण जौहर को जाता है।उनकी कंपनी धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से अभिनेत्री ने फिल्मी दुनिया में कदम रखा। यह फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई थी।उनके साथ टाइगर श्रॉफ और अनन्या पांडे भी फिल्म में मुख्य किरदार निभाने हुए नजर आए।कॉलेज ड्रामा पर आधारित इस फिल्म में तारा ने एक शहरी और ग्लैमरस लड़की का किरदार निभाया था।स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 की सफलता के बाद, तारा को सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ फिल्म मरजावां में देखा गया।

अपने दिनचर्या में शामिल करें बैडमिंटन, इसे खेलने से मिल सकते हैं कई लाभ

बैडमिंटन एक ऐसा खेल है, जो न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह कई स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करता है। यह खेल शरीर को सक्रिय रखता है और मानसिक तनाव को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा बैडमिंटन खेलने से शारीरिक सहनशक्ति में भी सुधार होता है। इस खेल के माध्यम से आप अपनी गति, संतुलन और तालमेल को भी सुधार सकते हैं। आइए जानते हैं कि बैडमिंटन खेलने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

दिल की सेहत के लिए फायदेमंद

बैडमिंटन खेलने से दिल की धड़कनें तेज होती हैं, जिससे शरीर में खून का संचार बेहतर होता है। यह खेल दिल की सेहत को बढ़ावा देता है और हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याओं से बचाव कर सकता है।नियमित रूप से बैडमिंटन खेलने वालों में दिल की बीमारी का खतरा कम होता है।इसके अलावा यह खेल शरीर में खून के प्रवाह को बढ़ाता है, जिससे दिल को अधिक ऑक्सीजन मिलती है और यह स्वस्थ रहता है।

मानसिक तनाव से राहत

बैडमिंटन खेलने से मानसिक तनाव कम होता है। जब आप इस खेल को खेलते हैं तो आपका ध्यान पूरी तरह से खेल पर केंद्रित हो जाता है, जिससे आपके दिमाग को आराम मिलता है।यह खेल खुश रहने वाले हार्मोन का

उत्पादन बढ़ाता है, जो आपके मूड को बेहतर बनाता है और तनाव को दूर करता है।इसके अलावा बैडमिंटन खेलने से आपकी एकाग्रता भी बढ़ती है और आप अधिक सकारात्मक महसूस करते हैं।

वजन नियंत्रित करने में सहायक

बैडमिंटन एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो कैलोरी जलाने में बहुत प्रभावी होता है। नियमित रूप से बैडमिंटन खेलने से आपका वजन नियंत्रित रहता है और मोटापे का खतरा कम होता है।यह खेल शरीर की ऊर्जा को तेज करता है, जिससे शरीर में चर्बी कम होती है और फिटनेस बढ़ती है।इसके अलावा बैडमिंटन खेलने से शरीर की सहनशक्ति भी बढ़ती है, जिससे आप अधिक सक्रिय और स्वस्थ महसूस करते हैं।

शारीरिक सहनशक्ति में सुधार

बैडमिंटन खेलने से शरीर की सहनशक्ति बढ़ती है। इस खेल को खेलने के दौरान तेज दौड़ना, कूदना और तेजी से शटल को मारना पड़ता है, जिससे मांसपेशियों में मजबूती आती है।नियमित रूप से बैडमिंटन खेलने वालों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और उनका शरीर अधिक सक्रिय रहता है।इसके अलावा बैडमिंटन खेलने से शरीर की लचीलापन भी बढ़ती है, जिससे चोट लगने का खतरा कम होता है।

सामाजिक संबंधों को बढ़ावा

बैडमिंटन एक ऐसा खेल है, जिसे आप अकेले या दोस्तों के साथ खेल सकते हैं। इससे सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं और आपसी समझ बढ़ती है।दोस्तों या परिवार के साथ समय बिताने का यह एक अच्छा तरीका है। इस तरह बैडमिंटन न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक और सामाजिक रूप से भी आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। इसलिए इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करना बहुत जरूरी है।

पैसों के लेन-देन को लेकर दंपती से मारपीट, लाठी-डंडे से हमला; घटना का वीडियो वायरल

बिलासपुर (आरएनएस)। सरकंडा थाना क्षेत्र में पैसों के लेन-देन को लेकर दंपती से मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पीड़ित की शिकायत के मुताबिक, 26 अगस्त की रात वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ गोल बाजार से घर लौट रहा था।

पीड़ित का आरोप है कि घर पहुंचने के बाद विनित श्रीवास और किशन ध्रुव ने पैसों के लेन-देन को लेकर उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर दोनों आरोपियों ने हाथ-मुक्के और लाठी से मारपीट की। हमले में पीड़ित के सिर, दोनों हाथों और बाएं गाल में चोट आने की बात शिकायत में कही गई है।घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों ने मारपीट की पूरी घटना देखी। बाद में पीड़ित ने सरकंडा थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इधर, मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। घटना ने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बलौदाबाजार में कृषि केंद्रों पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 6 दुकानों को नोटिस; 7 से 10 दिन बिक्री पर रोक

बलौदाबाजार, (आरएनएस)। खरीफ सीजन 2026 में किसानों को गुणवत्तापूर्ण और मानक अनुरूप कृषि आदान उपलब्ध कराने के लिए कृषि विभाग ने जिले में कीटनाशक विक्रय केंद्रों के खिलाफ सघन जांच अभियान शुरू किया है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर शुक्रवार को जिले के 13 कृषि केंद्रों का निरीक्षण किया गया।

जांच के दौरान विभिन्न प्रकार की अनियमितताएं सामने आने पर 6 कृषि केंद्रों को नोटिस जारी किया गया, साथ ही संबंधित केंद्रों पर 7 से 10 दिनों के लिए कीटनाशक विक्रय प्रतिबंधित किया गया है।

अधिकारियों के अनुसार पलारी, सिमगा, भाटापारा, कसडोल और बलौदाबाजार विकासखंडों में कीटनाशक निरीक्षकों की टीम ने अलग-अलग कृषि केंद्रों की जांच की। इस दौरान कृषि आदानों की गुणवत्ता, मानक, दस्तावेज और विक्रय संबंधी नियमों का परीक्षण किया गया।

हत्या के प्रयास के मामले में आरोपी गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त टंगिया पुलिस ने किया बरामद

कबीरधाम, (आरएनएस)। पुलिस अधीक्षक कबीरधाम जितेंद्र कुमार यादव (आईपीएस) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल के मार्गदर्शन तथा उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय आशीष शुक्ला के दिशा निर्देश पर थाना सिटी कोतवाली कवर्धा प्रभारी निरीक्षक लालजी सिन्हा के नेतृत्व में थाना टीम के द्वारा हत्या के प्रयास के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त टंगिया बरामद किया गया है।

मामले में प्रार्थी द्वारा थाना कवर्धा में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि दिनांक 18.08.2026 को ग्राम धुक्सा में खेत की मेड़ काटने की बात को लेकर आरोपी लालचन्द टंडन पिता तिरिथराम टंडन, उम्र 40 वर्ष, निवासी ग्राम धुक्सा, थाना कवर्धा, जिला कबीरधाम द्वारा विवाद करते हुए गाली-गलौज की गई तथा जान से मारने की नीयत से हाथ में रखे टंगिया से वार किया गया। घटना में आहत के सिर एवं चेहरे पर गंभीर चोट आई, जिसका उपचार कराया गया।

छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के लिए भारी बारिश, गरज-चमक और वज्रपात का अलर्ट

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ मौसम विभाग ने प्रदेश के विभिन्न जिलों के लिए भारी बारिश, गरज-चमक और वज्रपात आकाशीय बिजली का अलर्ट जारी किया है। झारखंड और उसके आसपास बने कम दबाव के क्षेत्र के सक्रिय होने के कारण राज्य में मानसून एक बार फिर रफ्तार पकड़ रहा है। सरगुजा, जशपुर, सूरजपुर, बलरामपुर, बिलासपुर, रायगढ़ और कोरबा जैसे जिलों में भारी बारिश की अधिक संभावना है। राजधानी रायपुर और आसपास के इलाकों में सुबह से ही बादल छाए हुए हैं और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने व स्थानीय स्तर पर भारी बारिश का दौर जारी रहने की उम्मीद है।नदी-नालों के बढ़ते जलस्तर और निचले इलाकों में जलभराव को देखते हुए प्रशासन ने भी लोगों को अलर्ट रहने को कहा है। मौसम विज्ञान केंद्र रायपुर के अनुसार 29 अगस्त से प्रदेश में बारिश की तीव्रता बढ़ेगी। अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने तथा एक-दो स्थानों पर भारी बारिश और गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की संभावना है। इसके पीछे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में 29 अगस्त के आसपास बनने वाला नया निम्न दबाव क्षेत्र अहम माना जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर-पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। मानसून द्रोणिका अमृतसर, देहरादून, खेरी और इस निम्न दबाव क्षेत्र से होते हुए मधुपुर तथा बांकुरा के रास्ते उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक पहुंच रही है। इसके अलावा उत्तर बंगाल की खाड़ी और उससे लगे पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश तट पर ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण करीब 7.6 किलोमीटर की ऊंचाई तक सक्रिय है। इन मौसमी प्रणालियों के बीच बंगाल की खाड़ी में नया निम्न दबाव बनने से अगले कुछ दिनों के छत्तीसगढ़ में बारिश हो सकती है। नए मौसम तंत्र के प्रभाव से 30 अगस्त से बारिश की गतिविधियों में और बढ़ोतरी होगी। शुक्रवार को प्रदेश के अनेक हिस्सों में बारिश हुई, जबकि बलरामपुर जिले में भारी वर्षा दर्ज की गई। कुसमी में 7 सेमी बारिश हुई, जो प्रदेश में सर्वाधिक रही।

हाथियों का उत्पात जारीः गौरछापर पहुंचकर फसलों को पहुंचाया नुकसान

कोरबा (आरएनएस)। वनमंडल कटघोरा के एतमानगर रेंज में हाथियों का उत्पात लगातार जारी है। यहां आधा दर्जन से अधिक हाथी सक्रिय हैं, जो लगातार ग्रामीणों के खेतों में पहुंचकर वहां लगे धान की खरीफ फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं। अब तक हाथियों का यह दल रिंगनिया में उत्पात मचाकर ग्रामीणों के नाकों में दम कर रखा था। लेकिन बीती रात हाथियों का दल अपना लोकेशन बदलते हुए गौरछापर गांव पहुंच गए और वहां पहुंचते ही जमकर उत्पात मचाया।

इस दौरान हाथियों ने 10 ग्रामीणों के खेतों में लगे बड़ी मात्रा में धान फसल को रौंद दिया, जिससे संबंधितों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। गौरछापर के ग्रामीणों को हाथियों के आने और उत्पात मचाने की जानकारी तब लगी जब वे अपनी खेतों में पहुंचे थे। वहां लगे धान की फसल को बुरी तरह रौंदा हुआ पाया। इसकी तत्काल सूचना वन विभाग को दी गई, जिस पर वन विभाग को अमला मौके पर पहुंचकर हाथियों की निगरानी करने के साथ रात में किए गए नुकसानी के आंकलन में जुट गया है। हाथियों द्वारा क्षेत्र में लगातार उत्पात मचाए जाने तथा फसल को रौंदे जाने से ग्रामीण बेहद परेशान हैं और अपने जान-माल तथा फसल की सुरक्षा की गुहार लगा रहे हैं।

ग्रामीणों की मांग पर न तो प्रशासन ध्यान दे रहा है और न ही वन विभाग। जिससे समस्या लगातार बनी हुई है। ग्रामीण अपनी आंखों के सामने अपनी मेहनतों पर पानी फिरते देखने को मजबूर हैं।

पत्नी से विवाद के बाद हाईवोल्टेज बिजली के टावर पर चढ़ा युवक, समझाने के बाद नीचे उतरा

कोंडागांव, (आरएनएस)। जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में शनिवार को पत्नी से विवाद के बाद पति नशे में हाईवोल्टेज बिजली लाइन के टावर पर चढ़ गया। युवक करीब 150 फीट की ऊंचाई पर करीब 2 घंटों तक बैठा रहा। सूचना मिलते ही पुलिस और राजस्व की टीम मौके पर पहुंचकर काफी समझाने के बाद युवक नीचे उतरा। युवक का नाम संतोष कोर्राम (32) है। वह नशे का आदी है। करीब 2 साल पहले उसकी पहली पत्नी की मौत हो चुकी है। इसके बाद उसने अपनी साली से दूसरी शादी कर ली। समझाने के बाद उसने दोबारा ऐसा कदम नहीं उठाने की बात कही। कोंडागांव तहसीलदार मनोज रावटे ने बताया कि युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया है और वर्तमान में स्थिति सामान्य है। युवक पूरी तरह सुरक्षित है और किसी मेडिकल उपचार की जरूरत नहीं पड़ी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार डोंगरीपारा निवासी संतोष कोर्राम का पत्नी और चाचा से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था।

सोशल मीडिया कमेंट को लेकर बिलासपुर में बवाल, दो पक्षों में पथराव, टीआई समेत कई घायल

बिलासपुर,(आरएनएस)। सोशल मीडिया पर किए गए कमेंट को लेकर बिलासपुर के खपरगंज इलाके में दो पक्षों के बीच विवाद के बाद जमकर बवाल हो गया। गाली-गलौज और मारपीट से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक हो गया और दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे पर ईंट-पत्थर बरसाए गए। स्थिति को नियंत्रित करने पहुंची पुलिस पर भी पथराव किया गया, जिसमें तारबाहर थाना प्रभारी रविशंकर तिवारी समेत कई पुलिसकर्मियों के घायल होने की सूचना है।

मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के खपरगंज का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, एक पक्ष के युवक द्वारा दूसरे पक्ष के युवक के साथ मारपीट किए जाने के बाद विवाद बढ़ गया। इसके बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते इलाके में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। दोनों पक्षों की ओर से नारेबाजी के साथ पथराव शुरू हो गया।

पुलिस पर भी हुआ पथराव

विवाद की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास किया। इसी दौरान उपद्रव कर रही भीड़ की ओर से पुलिस पर भी पथराव किया गया। पथराव में तारबाहर TI रविशंकर

तिवारी के सिर में चोट लगने की जानकारी सामने आई है। इसके अलावा कई अन्य पुलिसकर्मियों और युवकों के भी घायल होने की सूचना है। वहीं, तीन युवकों के साथ चाकूबाजी किए जाने की बात भी सामने आई है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजे जाने की कार्रवाई की गई।

आंसू गैस के गोले छोड़े, भीड़ को खदेड़ा

स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए कई बार बल प्रयोग किया। पुलिस द्वारा आंसू गैस के गोले छोड़े गए और उपद्रव कर रहे युवकों को खदेड़ा गया। इसके बाद भी देर रात तक इलाके में तनाव का माहौल बना रहा। घटना के बाद कोतवाली थाने के बाहर भी बड़ी संख्या में लोग और युवक जमा हो गए। सड़क पर युवकों की भीड़ ने नारेबाजी की, जिसके चलते पुलिस और प्रशासन को अतिरिक्त बल तैनात करना पड़ा।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर संजय अग्रवाल और एसएसपी रजनेश सिंह समेत पुलिस एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। विधायक सुशांत शुक्ला भी मौके पर पहुंचे। स्थानीय नागरिकों और पुलिस-प्रशासन के साथ बैठक कर युवकों को समझाइश दी गई। अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की। फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है। इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस दोनों पक्षों के बीच विवाद की वास्तविक वजह और पथराव एवं चाकूबाजी में शामिल लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

खेल समाचार

हॉकी विश्व कप : भारतीय पुरुष टीम का सफर हार के साथ समाप्त, टूर्नामेंट में 8वें स्थान पर रही

वावरे, (आरएनएस)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम का सफर एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में बेहद निराशाजनक तरीके से समाप्त हुआ। खिताब की दौर से पहले ही बाहर हो चुकी भारतीय टीम शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में बेल्जियम से हारकर टूर्नामेंट में आठवें स्थान पर रही। भारतीय टीम को शूटआउट में बेल्जियम से 4-3 से हारकर आठवें स्थान से संतोष करना पड़ा। भारत के आखिरी मिनट में किए गए गोल के बाद रेगुलेशन पीरियड 3-3 से बराबरी पर खत्म हुआ, जिससे विजेता का फैसला शूटआउट से हुआ। मैच की शुरुआत में, बेल्जियम ने आक्रामक फुल-प्रेस के साथ शुरुआत की और शुरुआती मिनट में ही भारतीय सर्कल में घुस गया, लेकिन भारत ने शुरुआती खतरे का आराम से सामना किया।

भारत ने धीरे-धीरे अपनी पकड़ बनाई और छठे मिनट में बढ़त बना ली। मनप्रीत सिंह ने अभिषेक को एक टाइट एंगल पर पास देकर मौका बनाया। फॉरवर्ड ने एक जोरदार धक्का दिया जिसे वनाश अपने ही गोल में डाल सके। बेल्जियम ने तुरंत पेनल्टी कॉर्नर जीतकर जवाब दिया, लेकिन सूरज करकेरा हेंड्रिक्स के फ्लिक के सामने डटे रहे।

बेल्जियम का दबाव बढ़ गया, जुगराज सिंह ने इंडियन पोस्ट के पास सही समय पर दखल दिया और नेल्सन ओनाना डाइविंग डिफ्लेक्शन से बाल-बाल बच गए। फिर इंडिया की टीम 10 खिलाड़ियों की रह गई जब हरमनप्रीत को येलो कार्ड मिला क्योंकि इंडिया को पिच पर एक अतिरिक्त खिलाड़ी मिला था।

बेल्जियम ने नंबरों की बढ़त का इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए किया। जुगराज की स्टिक से बॉल निकलने के बाद एक वीडियो रेफरल से पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन करकेरा ने हेंड्रिक्स का एक और शानदार बचाव किया। इसके बाद भारतीय गोलकीपर ने रीटेक किए गए सेट-पीस से बेल्जियम के ड्रैग-फ्लिकर को फिर से रोक दिया।

विमेंस कैरेबियन प्रीमियर लीग 2026 : पूजा वस्त्रकार, किरण नवगीरे, शिखा पांडे और यास्तिका भाटिया खेलेंगी

ब्रिजटाउन,(आरएनएस)। पूजा वस्त्रकार, किरण नवगीरे, शिखा पांडे और यास्तिका भाटिया विमेंस कैरेबियन प्रीमियर लीग के आने वाले सीजन के लिए विदेशी खिलाड़ियों में शामिल हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। शिखा को छोड़कर, पूजा, किरण और यास्तिका 5-17 सितंबर तक होने वाले इस टूर्नामेंट में पहली बार खेलेंगी। लीग के सभी मैच केंसिंग्टन ओवल में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट के फॉर्मेट के अनुसार, ग्रुप स्टेज में पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रहने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी, जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें प्लेऑफ मुकाबले में पहुंचेंगी, जिससे दूसरे फाइनलिस्ट का फैसला होगा। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर पूजा और विस्फोटक बल्लेबाज किरण डिफेंडिंग चैंपियन बारबाडोस ट्राइडेंट्स के लिए खेलेंगी। यह भारतीय जोड़ी न्यूजीलैंड की पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सूजी बेट्स और उनकी साथी व्हाइट फर्न मैडलिन ग्रीन के साथ टीम के विदेशी दल का हिस्सा बनेगी।

अनुभवी पेसर शिखा, जो पिछले दो सीपीएल सीजन का हिस्सा रही हैं, त्रिनबागो नाइट राइडर्स में विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका के साथ शामिल होंगी। यह जोड़ी साउथ अफ्रीका की स्टार ऑल-राउंडर मारिजेन कैप के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया की लॉरा हैरिस और लेग-स्पिनर मैडलिन पेना की जोड़ी के साथ खेलेगी।पूजा ने इस साल की शुरुआत में विमेंस प्रीमियर लीग 2026 के जरिए कॉम्पिटिटिव क्रिकेट में वापसी की। कंधे की सर्जरी और हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण वह 2024 विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के बाद एक्शन से बाहर रहीं। वह इस साल की मध्य प्रदेश विमेंस टी20 लीग में शामिल थीं, जहां उन्होंने चंबल घड़ियाल विमेंस को खिताब जिताया। उन्हें पिछला विदेशी फ्रेंचाइजी क्रिकेट का अनुभव ऑस्ट्रेलिया में 2022/23 विमेंस बिग बैश लीग में ब्रिस्बेन हीट के लिए खेलने से मिला था।

युवा प्रदर्शन पर ध्यान दें, चयनकर्ता खुद आपको ढूंढ लेंगे : सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय टी20 टीम के पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव ने युवा क्रिकेटरों से अपने प्रदर्शन पर ध्यान देने को कहा है। उन्होंने कहा कि अगर प्रदर्शन अच्छा रहता है, तो चयनकर्ता आपको ढूंढ लेंगे। आईएएनएस से बात करते हुए सूर्यकुमार यादव ने कहा, मैं युवाओं से अपील करूंगा कि वे अपनी तुलना किसी और से न करें क्योंकि हर किसी की कहानी अलग होती है और हर किसी का एक अलग चैप्टर होता है। पूर्व भारतीय कप्तान ने बातचीत के दौरान अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया जब वह घरेलू क्रिकेट खेलते थे, ट्रेन से सफर करते थे और अपने मौके का इंतजार करते थे।

सूर्यकुमार ने भारतीय क्रिकेट में बहुत ज्यादा दबाव के बारे में भी बताया, जहां युवा खिलाड़ियों को अक्सर लगता है कि उन्हें बहुत कम उम्र में ही सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचना है।

उन्होंने कहा, भारत में, ज्यादातर लोग सोचते हैं कि अगर आप 21 या 25 साल की उम्र तक कहीं नहीं पहुंचे, तो आपका करियर खत्म हो

गया और आपको कोई दूसरा विकल्प चुनना पड़ सकता है। लेकिन, उम्र कभी भी किसी खिलाड़ी की किस्मत तय नहीं करती। मुझे लगता है कि उम्र कोई आधार नहीं है, अहम आपकी तैयारी है।

सूर्यकुमार ने कहा, युवा अपनी स्किल्स को और बेहतर करते रहें और अपनी प्रतगि के प्रति प्रतिबद्ध रहें, खासकर तब जब कोई देख न रहा हो। आपका प्रदर्शन ही चयनकर्ताओं का ध्यान आपकी तरफ खींचता है।

बता दें कि सूर्यकुमार यादव को घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में लगातार शानदार प्रदर्शन के बावजूद 31 साल की उम्र में भारतीय टीम में मौका मिला था। टी20 फॉर्मेट में लंबे समय तक दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज रहे सूर्या इस फॉर्मेट में लगातार 2 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे। सूर्या ने एक खिलाड़ी के तौर पर टी20 विश्व कप 2024 और कप्तान के तौर पर टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जीता था।

घरेलू क्रिकेट में लगातार दमदार प्रदर्शन, फिर भी भारत की टेस्ट टीम में मौके को तरस रहे ये 5 खिलाड़ी

नई दिल्ली,(आरएनएस)।भारत में घरेलू क्रिकेट के प्रदर्शन को सिलेक्शन का आधार माना जाता है। खासतौर पर टेस्ट क्रिकेट में खिलाड़ियों का सिलेक्शन उनके घरेलू क्रिकेट के प्रदर्शन पर काफी हद तक निर्भर भी करता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंटरनेशनल क्रिकेटर्स को भी खाली समय में घरेलू क्रिकेट में हिस्सा लेने की सलाह दे चुका है। इस कड़ी में ईशान किशन और श्रेयस अय्यर के खिलाफ सख्त कदम भी उठाए जा चुके हैं। हालांकि, भारत के घरेलू क्रिकेट में कुछ ऐसे खिलाड़ी भी हैं, जो वर्षों से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सिलेक्टर्स का ध्यान अपनी ओर नहीं खींच पा रहे हैं। इन खिलाड़ियों के आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि इन्हें कम से कम टेस्ट टीम में मौका और मैदान पर अपनी काबिलियत दिखाने के लिए टी20 फॉर्मेट से आने वाले खिलाड़ियों के ऊपर तरजीह जरूर मिलनी चाहिए।अभिमन्यु ईश्वरन: फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में खेले 114 मुकाबलों में 47 की औसत से 8,396 रन बना चुके अभिमन्यु ईश्वरन भारतीय ड्रेसिंग रूम तक तो पहुंच चुके हैं, लेकिन पिछले तीन साल से अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। अनुभव और दमदार रिकॉर्ड होने के बावजूद अभिमन्यु ड्रेसिंग रूम में बैठकर मैदान पर भारत की जर्सी पहनकर उतरने का सपना ही देखते रहे हैं। फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में वह 27 शतक और 36 अर्धशतक भी लगा चुके हैं। अभिमन्यु का फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में डेब्यू 2013 में हुआ था और उनकी उम्र डेब्यू का इंतजार करते-करते 30 साल हो चुकी है।

धर्मेंद्रसिंह जडेजा: 100 फर्स्ट-क्लास मैचों में 423 विकेट। लिस्ट-ए क्रिकेट में 121 विकेट और टी20 में 65 विकेट। यह धर्मेंद्रसिंह जडेजा के बेमिसाल आंकड़े हैं, जिन्होंने साल 2013 में फर्स्ट-क्लास डेब्यू किया था। हालांकि, वह पिछले 13 वर्षों से भारतीय टेस्ट टीम में चुने जाने की आस लगाए बैठे हैं।

शाहबाज अहमद: भारत के लिए 3 वनडे और दो टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेल चुके शाहबाज अहमद लंबे समय से टेस्ट टीम में मौका मिलने की राह देख रहे हैं। शाहबाज बल्ले के साथ-साथ गेंद से भी अहम योगदान दे सकते हैं। 43 फर्स्ट-क्लास मैचों में शाहबाज 146 विकेट निकाल चुके हैं, जबकि बल्लेबाजी में उन्होंने 2,493 रन बनाए हैं। दलीप ट्रॉफी 2026 में भी शाहबाज अपने प्रदर्शन से हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचने में जुटे हुए हैं। सरफराज खान: सरफराज खान भारतीय टीम के लिए टेस्ट डेब्यू कर चुके हैं। हालांकि, 2024 में डेब्यू करने के बाद पिछले दो वर्षों में उन्हें सिर्फ 6 टेस्ट मैच ही खेलने का मौका मिला है। जिन मुकाबलों में सरफराज को मौका भी मिला, तो लगभग हर पारी में उनका बल्लेबाजी क्रम ही बदलता रहा। फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में 64 की औसत से रन बनाने वाले सरफराज ने अपनी फिटनेस पर काम करते हुए वजन भी घटाया है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें काबिलियत के अनुसार मौके नहीं मिल सके हैं।

शम्स मुलानी: घरेलू क्रिकेट में शम्स मुलानी को मुंबई का स्टार ऑलराउंडर माना जाता है। बल्ले और गेंद दोनों से ही वह किसी भी मैच का रुख पलटने का दमखम रखते हैं। 59 फर्स्ट-क्लास मैचों में मुलानी ने 269 विकेट चटकाए हैं, जबकि बल्लेबाजी में वह 2,577 रन बना चुके हैं। मुलानी एक शतक और 22 अर्धशतक भी लगा चुके हैं। रणजी ट्रॉफी 2025-26 में उन्होंने 7 मुकाबलों में 30 विकेट चटकाए थे। घरेलू क्रिकेट में लगातार दमदार प्रदर्शन के बावजूद वह सिलेक्टर्स की निगाहों में अब तक नहीं आ सके हैं।

एरिका मेरी आदर्श हैं और हमेशा रहेंगी : मीरा एंड्रीवा

न्यूयॉर्क ,(आरएनएस)। ग्रैंड स्लैम चैंपियन और ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली मीरा एंड्रीवा ने कहा कि उनकी बड़ी बहन एरिका हमेशा से उनकी रोल मॉडल रही हैं। यूएस ओपन मीडिया डे के दौरान 19 साल की मीरा ने बताया कि कैसे एरिका के साथ बड़े होने से एक टेनिस प्लेयर के तौर पर उनके विकास और कोर्ट से दूर उनकी जिंदगी दोनों पर असर पड़ा। डब्ल्यूटीए के हवाले से मीरा ने कहा, मुझे लगता है कि मुझे ज्यादा फायदा हुआ क्योंकि मैं छोटी हूं। टेनिस के मामले में, मुझे उतने टूर्नामेंट नहीं खेलने पड़े जितने उन्होंने खेले, और शायद इससे मेरा कुछ समय बच गया। वह हमेशा स्कूल में मेरी मदद करती थीं। वह मुझे बहुत सारी सलाह भी देती थीं। मैं हमेशा उनकी कॉपी करती थी, क्योंकि वह मेरी रोल मॉडल थीं और अब भी हैं।

प्रोफेशनल टेनिस में एक जैसे रास्ते पर चलने के बावजूद, बहनों ने कॉम्पिटिशन को अपने रिश्ते को तय करने से रोका है।

एंड्रीवा ने कहा, हम कभी भी एक-दूसरे के साथ सच में प्रतियोगी नहीं थीं। हमारे माता-पिता हमेशा हमसे कहते थे कि हम बहनें हैं, इसलिए हम जिंदगी में सबसे करीबी लोग हैं, और हमें हमेशा एक-दूसरे को सपोर्ट करना चाहिए। हम साथ में ज्यादा अभ्यास नहीं करते थे, क्योंकि इससे गड़बड़ हो जाती थी। एक-दूसरे और हमारे रिश्ते के बीच नहीं, लेकिन बस—मुझे नहीं पता। मुझे गुस्सा आता, उसे दुख होता कि मैं गुस्सा हूं, फिर मुझे दुख होता कि वह दुखी है।

एंड्रीवा अपनी पीढ़ी के जाने-माने नामों में से एक बनकर उभरी हैं, वहीं एरिका ने भी अपना एक सफल करियर बनाया है। बड़ी एंड्रीवा अक्टूबर 2024 में वर्ल्ड नंबर 65 की करियर-हाई रैंकिंग पर पहुंचीं और पांच आईटीएफ एकल खिताब जीते हैं। उनका सबसे हालिया खिताब मई में जाग्रेब में डबल्यू 75 टूर्नामेंट में आया था। विंबलडन 2025 के बाद लंबे ब्रेक के बाद एरिका ने रैंकिंग में भी काफी तरक्की की है। टॉप 200 में वापसी के करीब पहुंचते हुए वह लगभग 150 स्थान ऊपर चढ़ी हैं।

पेशेवर सर्किट में खुद को स्थापित करने से पहले, एरिका ने खेल के टॉप जूनियर्स में शामिल होने के साथ आने वाले दबाव का अनुभव किया।

सेठानी घाट भुजरिया की देन, अंग्रेज अफसर के मन में आया था विचार

सेठानी बाई से अंग्रेज अफसर ने पटेघाट बनवाने का किया था आग्रह
भक्तिभाव से मना भुजरिया पर्व,नर्मदा की जलधारा में किया विसर्जन

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम । शहर के वरिष्ठजनों के द्वारा बताया जाता है कि सेठानी घाट भुजरिया की ही देन है। अंग्रेजों के समय में जब लोग शासकीय सेवा में कार्यरत थे उस समय कुछ लोगों ने भुजरिया के लिए आधे दिन का अवकाश देने की मांग की थी और उन्हें घाट पर आने के लिए निवेदन भी किया था। तब अंग्रेज अफसर ने अवकाश देने के साथ कहा था कि मैं स्वयं भी भुजरिया उत्सव देखने के लिए आउंगा। अंग्रेज अफसर भी घोड़े पर बैठकर घाट की ओर पहुंचे तब उन्होंने देखा कि महिलाएं भुजरिया लेकर जा रही हैं। बारिश होने पर वे मिट्टी में फिसल रही थी। अंग्रेज अफसर ने शहर के लोगों से पूछा कि यहां पर कोई जमीदार मालगुजार हैं जो घाट बनवाने में मदद कर सकें। कुछ लोगो ने तत्कालीन समाजसेवी उदारमना जानकी बाई सेठानी की जानकारी दी तो अंग्रेज अफसर ने उनसे संपर्क कर पटे घाट का प्रस्ताव रखा सेठानी बाई ने सहर्ष सहमति देते हुए कहा कि स्टीमेट बना लें। वह घाट बनवाने के लिए तैयार हैं उसके बाद स्टीमेट बना और घाट भी बना। ऐसा बताया जाता है कि उस समय घाट के निर्माण में लगभग 18 हजार रुपए खर्च आया था। और 10 मार्च 1881 मे मां नर्मदा का यह विशाल पटेघाट बनकर तैयार हुआ। तब से लेकर अब तक यह सुप्रसिद्ध घाट बेजोड़ है। यह समूचे नर्मदांचल की बहुत बड़ी सौगात है। यह बात नर्मदापुरम वासियों को भुजरिया के दिन जरूर याद आती है। इस तरह से यह सेठानी घाट भुजरिया की देन माना जाता है।

भादों मास शुरु,छाई रही काली घटा 15 मिनिट तक हुई झमाझम वर्षा

रूक-रूक कर हो रही वर्षा से खरीफ की फसलों को फायदा

नर्मदापुरम (निप्र)। बीते वर्षों की भांति भादों माह शुरू हो गया है। आसमान में काली घटा छा गई थी। तेज हवाओं के झोंके के साथ हल्की बारिश हुई। ऐसा लग रहा

था कि अब यह बारिश करीब एक घंटे तक रूकने वाली नहीं है। लेकिन 10 मिनिट तक बारिश होने के बाद बादल हट गए। उसके बाद फिर दोपहर में चार बजे से एक बार फिर बारिश होना शुरू हुई तो 5 मिनिट तक रिमझिम फुहारें गिरती रही। इस तरह बीते माह से बारिश का दौर रूक -रूक कर जारी है। जिससे धान की फसल को फायदा होना बताया जा रहा वहीं सोयाबीन और मूंग की फसल को लगातार हो रही बारिश से नुकसान होना बताया जा रहा है। जमीनी जल काफी नीचे चला गया था जो कि सबसे बड़ी चिंता कारण बना हुआ था। धीमी गति से रूक रूक कर होने वाली बारिश से जमीनी जल स्तर में वृद्धि हो रही है।

ग्रामीण अंचल में परंपरागत रूप से मना भुजलिया पर्व

ग्राम कलमेशरा में ग्रामवासियों ने सामूहिक रूप से अन्नपूर्णा देवी मंदिर में मनाया उत्सव

डोलरिया (निप्र)। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी ग्राम कलमेशरा में समस्त ग्राम वासियों ने सामूहिक रूप से अन्नपूर्णा देवी मंदिर में एकत्रित होकर भुजलिया पर्व पर एक दूसरे को किसान की समृद्धि खुशहाली और भाईचारे का प्रतीक भुजालिया देकर गले मिलकर इस पौराणिक पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित कर बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया।इसके उपरांत गांव में शोक संतृप्त परिवारों के घर पहुंचकर सभी ने भुजलिया देकर शोक संवेदनाएं व्यक्त की इस अवसर पर प्रमुख रूप से योगेंद्र सिंह राजपूत, सत्यनारायण सिंह राजपूत, सुधीर मासाब प्रदीप सोलंकी नारायण सिंह राजपूत बंटी भाई अजमेर सिंह सहित समस्त ग्रामवासी एवं युवा साथी उपस्थित रहें।

आत्मीयता व स्नेह के साथ मना रक्षाबंधन का त्यौहार

बहन ने बांधा रक्षा सूत्र दी शुभकामनाएं, भाई ने दिया रक्षा का बचन
उत्साह उमंग और उल्लास से मना रक्षाबंधन का त्यौहार

नर्मदापुरम (निप्र)। बहन और भाई के स्नेह का पर्व रक्षाबंधन धूमधाम व आत्मीयता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने अपने भाईओं को रक्षा सूत्र बांधकर शुभाशीष दिया। राखी बांधने बंधवाने का क्रम सुबह से शुरु होकर देर रात तक जारी रहा। भाई के घर पहुंची बहनों ने अपने भाई को तिलक लगाकर राखी बांधकर यशस्वी जीवन तथा दीर्घायु होने का आशीर्वाद और शुभकामनाएं दी। बाजार में त्यौहारी रौनक वर्षा होने के बावजूद भी बनी रही। शक्कर के भाव तेज होने से मिठाई के दाम अधिक रहे। फिर भी मिठाई की बिक्री भी खूब हुई। मुख्य त्यौहार के अवसर पर भी ट्रेन तथा बसों में महिलाओं का आना लगातार जारी था। बसे व ट्रेने खचाखच भरी हुई थी। कई बहने अपने निजी वाहनों से भाई के घर पहुंची। राखी बांधने का क्रम शाम को ज्यादा रहा।

मंदिरों में मना रक्षाबंधन पर्व

प्राचीन काल से चली आ रही परंपरा के तहत रक्षा बंधन के अवसर पर महंत, पंडित, पुजारियों ने भगवान की प्रतिमाओं को भक्ति भाव के साथ सर्वप्रथम रक्षासूत्र बांधकर सुख समृद्धि की कामना की। इसी तरह घरों में भी सभी लोगों ने पहले भगवान को रेशम की राखी बांधकर उसके बाद परिवार के साथ रक्षा बंधन का पर्व मनाया। छोटे बच्चों में विशेष उत्साह रहा।

बच्चों में रहा उमंग और उत्साह

रक्षाबंधन पर्व को लेकर अमीर गरीब छोटी बड़ी कालोनियों, झुग्गी बस्ती क्षेत्रों, छोटे बच्चों,बड़े बुजुर्गों सभी में इस त्यौहार के अवसर पर उत्साह और उमंग का वातावरण बना रहा। यह क्रम दूसरे दिन भी भुजरिया के अवसर पर जारी रहेगा।

बाजार में बनी रही रौनक

शहर के इंदिरा चौक पर राखी बाजार सजा हुआ है। जहां पर पूर्णिमा के अवसर पर पूरे दिन खरीदी होती रही। इसी तरह बाजार में कपड़े बच्चों के खिलौने और सौंदर्य सामग्री, के साथ ही उपहार की सामग्री की खूब बिकी होती रही। बाजार में अच्छी खासी त्यौहारी रौनक बनी रही।

जारी रहा शुभकामनाओं का दौर

रक्षाबंधन के अवसर पर एक दूसरे को शुभकामनाएं देने का दौर दिन भर जारी रहा। हर परिवार में हंसी खुशी के माहौल में पर्व मनाया गया। वर्तमान व्यस्तताओं भरी जिंदगी में राखी बांधने के बाद कई बहने अपने घर की ओर रवाना होने लगी हैं। कुछ भाई भी एक दिन का अवकाश लेने के बाद अपने कार्य स्थल की ओर लौटने लगे हैं।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर नर्मदापुरम में खेलों का उत्सव, एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी नर्मदापुरम की आध्या तिवारी

नर्मदापुरम (निप्र)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग की पहल पर पूरे मध्यप्रदेश में मनाए जा रहे 3 दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस उत्सव के तहत नर्मदापुरम जिले में भी खेलों का उत्साह चरम पर रहा। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की 121वीं जयंती के अवसर पर जिला मुख्यालय सहित सोहागपुर, सिवनी मालवा, पिपरिया और इटारसी में विभिन्न खेल गतिविधियों और मैत्री मुकाबलों का आयोजन किया गया।जिला मुख्यालय नर्मदापुरम के हॉकी सिंथेटिक टर्फ ग्राउंड पर मुख्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुकेश चौधरी ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में पीयूष शर्मा, डॉ. अतुल सेठा, रोहित फौजदार, डॉ. धर्मेंद्र गुर्जर सहित कई खेलप्रेमी मौजूद रहे।

गुरुकुल में 10 दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर का हुआ सुभारंभ

4 सितंबर तक जारी रहेगा संस्कृत सम्भाषण शिविर

नर्मदापुरम (निप्र)। आर्ष गुरुकुल महाविद्यालय नर्मदापुरम एवं संस्कृत भारती मध्य भारतम् के संयुक्त तत्वाधान में संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत 26अगतस्त से 04 सितंबर तक 10 दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। संस्कृत सम्भाषण शिविर के उद्घाटन सत्र में संस्कृत सम्भाषण शिविर के अध्यक्ष गुरुकुल के अधिष्ठाता स्वामी ऋतस्पति परिव्राजक ने कहा कि शिविर का आयोजन छात्रों के भाषा विकास के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने छात्रों से दैनंदिन प्रयोग में आनेवाले संस्कृत के अनेक वाक्यों को छात्रों से बुलवाकर छात्रों को आदेश दिया के इन 10 दिवस में संस्कृत में ही सभी वार्तालाप करें। उद्घाटन सत्र में गुरुकुल के सचिव एवं शिविर के प्रबंधक आचार्य योगेन्द्र याज्ञिक की गरिमामयी उपस्थिति रही । प्रथम दिवस में शिविर के मुख्य प्रशिक्षक विवेक सुशारी ने 2 घंटे तक प्रथम दिवस का संस्कृत पाठ्यक्रम दृश्य श्रव्य एवं अभिनय के द्वारा पूर्ण किया। प्रशिक्षण में 75 विद्यार्थी सहभागिता कर रहे हैं। कार्यक्रम का संयोजन सम्भाषण शिविर संयोजक डॉ नीरज ने किया । कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति शिविर संयोजक डॉ दीपक मनोजीत द्वय एवं ओमप्रकाश महेंद्र एवं गुरुकुल के शिक्षक महानुभाव आचार्य आयुष आर्य ने यह जानकारी दी।

शांतिनिकेतन में धूमधाम से मनाया गया राष्ट्रीय खेल दिवस

नर्मदापुरम (निप्र)। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस जो की राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। शांतिनिकेतन मांटेसरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल नर्मदापुरम में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर कक्षा ग्यारहवीं एवं 12 वीं के छात्रों के बीच सद्भावना खो.खो मैच खेला गया जिसे कक्षा 12 वीं के विद्यार्थियों ने जीता। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत शाला के खेल शिक्षकों रिजु राजन सचिन रघुवंशी एवं वेद व्रत उमरे तथा शाला के हेड क्लर्क राजकुमार तिवारी संगीत शिक्षक अशोक सोनी एवं प्रशांत पटेल ने मेजर ध्यानचंद के चित्र पर फूल माला अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। तत्पश्चात शाला की संगीत शिक्षिका शिवानी के मार्गदर्शन में बच्चों ने खेल पर गीत प्रस्तुत किया इस अवसर पर कक्षा 11 वीं की छात्रा दिव्यांशा परसाई ने अपने भाषण में मेजर ध्यानचंद के जीवन पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ संगीत शिक्षक संगीत अशोक सोनी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहां की आप जिस भी खेल को खेलो मेजर ध्यानचंद की तरह अपना 100 प्रतिशत दो निश्चित रूप से आपको सफलता मिलेगी। शतरंज खिलाड़ियों ने लाइब्रेरी में शह एवं मात के खेल में अपने जौहर दिखाएं। संचालन शिक्षिका अर्पिता लक्ष्मण द्वारा किया गया।

कृषि विपणन बोर्ड के आयुक्त श्री कुमार पुरुषोत्तम ने डीपी वर्ल्ड इनलैंड टर्मिनल का किया निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड के आयुक्त सह प्रबंध संचालक श्री कुमार पुरुषोत्तम ने शनिवार को इटारसी मंडी क्षेत्र अंतर्गत पवारखेड़ा स्थित डीपी वर्ल्ड इनलैंड टर्मिनल का दौरा कर वहां उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का सूक्ष्म निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्री कुमार पुरुषोत्तम ने टर्मिनल परिसर में कृषकों एवं व्यापारियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली तथा विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया।उन्होंने टर्मिनल परिसर में स्थित रेलवे रैक प्वाइंट का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने माल की लोडिंग एवं अनलोडिंग की व्यवस्था, माल की आवक किन-किन स्थानों से होती है तथा उसे किन स्थानों के लिए परिवहन किया जाता है, इसकी विस्तृत जानकारी संबंधित अधिकारियों से प्राप्त की। आयुक्त श्री पुरुषोत्तम ने लोडिंग एवं अनलोडिंग से लेकर माल के परिवहन तक की संपूर्ण प्रक्रिया में लगने वाले समय की भी जानकारी ली।

श्रावणी उपाकर्म ब्राह्मणों द्वारा श्रद्धापूर्वक संपन्न

नर्मदापुरम (निप्र)। जगदीश घांट पर नागेश्वर मंदिर समिति द्वारा आचार्य नीरजेश त्रिपाठी एवं पंडित अशोक दुवे के आचार्यत्व में पूर्ण हर्षोल्लास के साथ आस्था और भक्ति के पर्व श्रावण पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्रावणी उपाकर्म वैदिक मंत्रोच्चार प्रजापते न त्वदेतान्यन्यो विश्वा जातानि परिताबभूव। यत्कामास्ते जुहुमस्तन्नो अस्तु वयं स्याम पतयो रयीणाम्।। के साथ सम्पन्न हुआ दशविधि स्नान देव.ऋषि.पितृ तर्पण कर यज्ञोपवीत का विधिपूर्वक पूजन आवाह्न करने के बाद धारण किया सप्त ऋषियों का पूजन कर सनातन ऋषि परंपरा का निर्वाहन किया बड़ी संख्या में ब्राह्मणों ने श्रावणी उपाकर्म पर्व परंपरागत श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक विधि.विधान के बीच विभिन्न अनुष्ठान संपन्न कराए गए। आयोजन में बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु और प्रबुद्धजन भी शामिल हुए।

धार्मिक अनुष्ठान के दौरान विद्वान ब्राह्मणों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दशविधि स्नान किया। इसके बाद देव ऋषि और पितृ तर्पण की विधि पूरी की गई। सामूहिक रूप से यज्ञोपवीत धारण कर धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर सुख

शांति और समृद्धि की कामना की।

अनुष्ठान के अगले चरण में गौरी गणेश बरूण कलश माता अरुंधती सहित सप्त ऋषियों का विधि-विधान से पूजन कर होम हवन किया गया । इस अवसर पर पंडित दीनबंधु दुबे पंडित विनोद दुबे पंडित दिनेश तिवारी पंडित रामकुमार गुवरेले पंडित अभिलाष शर्मा केके दुबे पंडित संजय शर्मा पंडित संजय दुबे पंडित भागचंद तिवारी पंडित कृष्ण कुमार गुवरेले पंडित ओमप्रकाश शर्मा पंडित हरीश त्रिपाठी पंडितआकाश नगाइच अभिषेक तिवारी पंडित कुशाग्र त्रिपाठी पंडित आयुष तिवारी पंडित विष्णु शर्मा पंडित संदीप तिवारी पंडित के के पाराशर पंडित राधेलाल तिवारी पंडित राजेंद्र पुरोहित पंडित संजय पाराशर पंडित सुनील भार्गव पंडित अशोक शर्मा पंडित लक्ष्मी नारायण मुद्गल पंडित राहुल दुबे पंडित सुनील दुबे पंडित मधुसूदन शर्मा पंडित संतोष पाठक पंडित दीपक शास्त्री पंडित सुनील उपाध्यायपंडित कपिल पाठक पंडित रुद्रेश पंडित पीयूष शर्मा पंडित चंद्रशेखर पुरोहित पंडित मधुसूदन शास्त्री पंडित मंजू व्यास पंडित प्रमोद दुबे पंडित श्रवण नगाइच पंडित नीरज शुक्ला पंडित अमित शर्मा सहित बड़ी संख्या में विप्र जन शामिल रहे।

हजारों बहनों ने सांसद दर्शन सिंह चौधरी की कलाई पर बांधी राखी

रक्षाबंधन मिलन समारोह में उमड़ा बहनों का स्नेह और अपनत्व, पुष्पवर्षा से हुआ बहनों का स्वागत

नर्मदापुरम (ए.)। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर पिपरिया स्थित सांसद कार्यालय में रक्षाबंधन मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में लोकसभा क्षेत्र से हजारों की संख्या में माताओं एवं बहनों ने पहुंचकर सांसद दर्शन सिंह चौधरी की कलाई पर राखी बांधी और उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना की।सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने समारोह में उपस्थित बहनों का पुष्पवर्षा कर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर पूरा परिसर भाई-बहन के स्नेह, अपनत्व और आत्मीयता से सराबोर रहा। दिव्यांग बहनों ने भी सांसद श्री चौधरी को राखी बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया। सांसद श्री चौधरी ने कहा कि रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति में भाई-बहन के पवित्र प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के संकल्प का पर्व है। हजारों बहनों ने जिस स्नेह और विश्वास के साथ मेरी कलाई पर राखी बांधी, वह मेरे लिए अत्यंत भावुक और अविस्मरणीय क्षण है।

बहनों का स्नेह और आशीर्वाद मेरी सबसे बड़ी ताकत : दर्शन सिंह चौधरी

बहनों के विश्वास को जनसेवा के संकल्प से जोड़ते हुए सांसद ने कहा—इस रिश्ते को सदैव सम्मान के साथ निभाऊंगा

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि बहनों का स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद मेरी सबसे बड़ी ताकत है। क्षेत्र की बहनों ने जिस आत्मीयता के साथ अपना भाई मानकर राखी बांधी है, उस रिश्ते और विश्वास को सदैव सम्मान के साथ निभाने का प्रयास करूंगा। जनसेवा के संकल्प को और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ाना ही बहनों के इस स्नेह का सम्मान होगा।कहा कि पिपरिया सहित पूरे संसदीय क्षेत्र की सभी बहनें उनके परिवार का हिस्सा हैं। उन्होंने समारोह में उपस्थित सभी माताओं एवं बहनों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका स्नेह और आशीर्वाद सदैव बना रहे, यही मेरी कामना है।सांसद ने मंच से बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना की राशि में वृद्धि के साथ यह योजना निरंतर जारी रहेगी, इसलिए बहनों को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की ओर से भी क्षेत्र की माताओं बहनों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

महिला सशक्तिकरण से लेकर स्वरोजगार तक सरकार कर रही है निरंतर कार्य : सांसद श्रीमती माया नारोलिया

हर वर्ग के सशक्तिकरण के लिए संचालित हो रही योजनाएं : विधायक विजयपाल सिंह

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शनिवार को सुहागपुर विकासखंड की ग्राम पंचाय... सेमरी हरचंद में मुख्यमंत्री जन... विश्वास अभियान शिविर... आयोजित किया गया। शिविर... में राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, विधायक विजयपाल सिंह, कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस. थोटा ने पहुंचकर ग्रामीणों एवं नागरिकों से संवाद किया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी नागरिकों को दी गई। अधिकारियों ने पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया, पात्रता एवं उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में भी जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत हितलाभ का वितरण भी किया गया। उद्यम संवाद के माध्यम से स्वरोजगार योजना तथा योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने वाले लाभार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए। ...इससे पूर्व मुख्यमंत्री विश्वास अभियान ...की शुरुआत राष्ट्रगीत वंदे मातरम एवं राष्ट्रगान जन गण मन के समूह गायन के साथ हुई जहां उपस्थित जन समुदाय, जनप्रतिनिधिगण एवं समस्त अधिकारी गण ने सस्वर राष्ट्रभक्ति से उत्प्रोत वंदे मातरम एवं राष्ट्रगान का गायन किया। कलेक्टर ने उपस्थित नागरिकों को मुख्य मंत्री जन विश्वास अभियान के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए अभियान तथा अभियान के अंतर्गत लगने वाले शिविर की रूपरेखा के संबंध में बताया।मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत आयोजित शिविर में राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, विधायक विजयपाल सिंह एवं कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने नागरिकों से संवाद किया।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com